A101

स्तर-क

मुक्त बेसिक शिक्षा (प्रौढ़)

आओ हिन्दी भाषा सीखें

(कक्षा-3 के समतुल्य)

पाठ्यक्रम समन्वयक

डॉ. बालकृष्ण राय

हरपाल सिंह

विवेक सिंह

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

ए24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62,

नोएडा-201309 (उ0प्र0)

वेबसाइट : www.nios.ac.in, टोल फ्री न. 18001809393

सलाहकार-समिति

डॉ. सितांशु शेखर जेना
अध्यक्ष
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

डॉ. कुलदीप अग्रवाल
निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

श्रीमती गोपा बिस्वास
संयुक्त निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

पाठ्यक्रम-समिति

श्रीमती कुसुमवीर
पूर्व निदेशक
प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

डॉ. अजय बिसारिया
एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
अलीगढ़

डॉ. वेद प्रकाश
एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
अलीगढ़

डॉ. हीरा लाल बाछोतिया
पूर्व रीडर, एनसीईआरटी
नई दिल्ली

डॉ. बालकृष्ण राय
शैक्षिक अधिकारी
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा

श्री हरपाल सिंह
वरिष्ठ सलाहकार
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा

श्री दिनेश पुरोहित
पूर्व सामग्री समन्वयक, राज्य संसाधन केन्द्र, जयपुर

संपादक-मंडल

श्रीमती कुसुमवीर
पूर्व निदेशक
प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

डॉ. डी. एस. मिश्रा
पूर्व संयुक्त निदेशक
प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

डॉ. वेद प्रकाश
एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
अलीगढ़

श्री मनोहर पुरी
वरिष्ठ पत्रकार
नई दिल्ली

श्री हरपाल सिंह
वरिष्ठ सलाहकार
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

पाठ-लेखक

श्री लायक राम मानव
पूर्व समन्वयक, सामग्री निर्माण
राज्य संसाधन केन्द्र, लखनऊ

डॉ. अश्वघोष
पूर्व सलाहकार (सामग्री)
राज्य संसाधन केन्द्र, देहरादून

श्री वीरेन्द्र मुलासी
पूर्व समन्वयक, सामग्री निर्माण
राज्य संसाधन केन्द्र, लखनऊ

श्री गोपाल प्रसाद मुद्गल
सलाहकार (सामग्री)
राज्य संसाधन केन्द्र, जयपुर

श्री दिनेश पुरोहित
पूर्व सामग्री समन्वयक,
राज्य संसाधन केन्द्र, जयपुर

श्री अरविंद मिश्र
संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय बचत निदेशालय,
उत्तराखंड, देहरादून

श्री हरपाल सिंह
वरिष्ठ सलाहकार
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

श्री कौस्तुभ पन्त
सेवामुक्त उप-प्रधानाचार्य
शिक्षा विभाग, दिल्ली

एवम् पूर्व निदेशक,
राज्य संसाधन केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून

डॉ. डी.एस. मिश्रा
पूर्व संयुक्त निदेशक, प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम समन्वयक

डॉ. बालकृष्ण राय
शैक्षिक अधिकारी
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

श्री हरपाल सिंह
वरिष्ठ सलाहकार
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

श्री विवेक सिंह
वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

रेखा चित्रांकन

श्री राजकुमार सरकार
चित्रकार, गाजियाबाद, उ.प्र.

डी.टी.पी. कार्य

शिवम् ग्राफिक्स
रानी बाग, दिल्ली-110034

अध्यक्ष का संदेश

प्रिय शिक्षार्थी,

किसी भी वर्ग, समाज तथा राष्ट्र की उन्नति की परिकल्पना शिक्षा के बिना नहीं की जा सकती। वे ही देश विकसित तथा उन्नत हैं, जिनकी साक्षरता दर अधिक है। निरक्षरता के कारण हम न केवल देश-दुनिया की हलचलों से दूर रहते हैं, बल्कि अपनी जिन्दगी के हालात को समझने, बदलने और सामाजिक विकास प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने में भी सक्षम नहीं हो पाते। दुर्भाग्यवश हमारे देश में समाज का एक बड़ा हिस्सा शिक्षित नहीं होने के कारण लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भी भागीदारी नहीं कर पाता। जब पूरा समाज शिक्षित होगा, तभी समाज में बदलाव आएगा। साक्षरता का उद्देश्य मात्र लोगों को पढ़ाना-लिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें समाज के व्यापक हिस्से और प्रक्रियाओं से जोड़कर देश की मुख्य धारा में लाना है।

आजादी के बाद देश में शिक्षा में सुधार के लिए अनेक योजनाएँ चलाई गईं। इन योजनाओं के बाद शिक्षा का स्तर तो बढ़ा, लेकिन साथ-साथ निरक्षरों की संख्या भी बढ़ती गई। इस चुनौती से निपटने के लिए 5 मई, 1988 को पूरे देश में 'राष्ट्रीय साक्षरता मिशन' प्रारंभ किया गया, जिसके अन्तर्गत 'संपूर्ण साक्षरता अभियान' चलाया गया। किंतु निरक्षरों की संख्या में कमी नहीं आई।

इसी कड़ी में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के तहत 8 सितम्बर, 2009 को 'साक्षर भारत' कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस योजना में शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास, व्यावहारिक ज्ञान तथा नैतिक मूल्यों से संबंधित कार्यात्मक शिक्षा का प्रावधान रखा गया।

मिशन का प्रमुख उद्देश्य नवसाक्षरों की मूल शिक्षा से आगे पढ़ाई जारी रखना है। इसके लिए राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान को 'साक्षर भारत' योजना के साथ जोड़ा गया है। यह संस्थान समतुल्यता कार्यक्रम हेतु सामग्री निर्माण के लिए पाठ्यक्रम तैयार करेगा, पुस्तकों का निर्माण करेगा तथा नवसाक्षरों का मूल्यांकन कर सफल नवसाक्षरों को प्रमाणपत्र भी जारी करेगा।

इसी शृंखला में हिन्दी भाषा स्तर 'क' (कक्षा 3 के समतुल्य) के लिए यह पुस्तक तैयार की गई है। इस पुस्तक में विषयों का चुनाव करते समय यह देखा गया है कि नवसाक्षर राष्ट्रीय मूल्यों– राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता, महिलाओं की समानता, जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक सोच का विकास, पंचायती राज प्रणाली इत्यादि का ज्ञान प्राप्त करते हुए हिंदी भाषा में परिपक्वता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही साथ भाषायी कुशलताओं, जैसे– सुनना-बोलना, पढ़ना तथा लिखना, को भी पुष्ट कर सकेंगे।

पुस्तक में उन्हीं शब्दों का प्रयोग किया गया है, जिनसे प्रौढ़ परिचित हैं। इसमें आम बोल-चाल की भाषा में प्रयोग किए जाने वाले शब्दों तथा कम से कम संयुक्त अक्षरों से बने शब्दों का प्रयोग हुआ है।

मुक्त तथा दूर शिक्षा तंत्र के अंतर्गत पढ़ने और लिखने पर विशेष बल दिया गया है। औपचारिक विद्यालयों के शिक्षार्थियों की तुलना में प्रौढ़ों का आयुगत अनुभव अधिक होता है। इनके बोलने, समझने की योग्यता अधिक विकसित होती है। इनको समाज का भरपूर अनुभव होता है। बहुत सी बातें ये पारिवारिक प्रक्रिया से सीख जाते हैं। इसका ध्यान रखा गया है कि सामग्री प्रौढ़ों की रुचियों के अनुकूल हो।

पुस्तक में हर चार पाठ के बाद एक जाँच पत्र दिया गया है। अंत में एक नमूने का प्रश्न पत्र दिया गया है। नवसाक्षर इन्हें स्वयं करके अपनी दक्षता का मूल्यांकन कर सकते हैं।

मैं उन सभी विद्वानों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने इस सामग्री को रुचिकर और उपयोगी बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुझे विश्वास है कि शिक्षार्थी इसे पसंद करेंगे। मैं सभी के उज्ज्वल और सफल भविष्य की कामना करता हूँ। सामग्री में सुधार हेतु विद्वानों के विचारों का स्वागत है।

(डॉ. एस.एस. जेना)
अध्यक्ष
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

मुक्त बेसिक शिक्षा (प्रौढ़) स्तर-क

विषय-सूची

क्र.सं.	पाठ का नाम	पाठ का मूल भाव	विधा	व्याकरण बिंदु	पृष्ठ संख्या
1.	भारत वतन हमारा	राष्ट्रीय एकता	कविता	1. इ ई तथा उ ऊ वर्णों की पहचान और इनके प्रयोगों में अंतर 2. ि ी तथा ु ू मात्राओं की पहचान और इनके प्रयोगों में अंतर	1-10
2.	खेजड़ली गाँव का शहीद मेला	पर्यावरण	कहानी	1. ए ऐ तथा ओ औ वर्णों की पहचान तथा इनके प्रयोगों में अंतर 2. ॅ ै तथा ो ौ मात्राओं की पहचान और इनके प्रयोगों में अंतर	11-18
3.	ऋचा की कृपा	स्वास्थ्य, स्वच्छता	कहानी	1. ऋ स्वर का प्रयोग और उसकी मात्रा ृ का ज्ञान 2. र के तीन रूपों का ज्ञान	19-25
4.	सब पढ़ें-आगे बढ़ें	शिक्षा	नाटक	ड ड़ तथा ढ ढ़ वर्णों की पहचान और इनके प्रयोगों में अंतर	26-33
		जाँच पत्र-1 (पाठ 1 से 4 तक)			34-37
5.	जीवन-मूल्य	कबीर, रहीम और तुलसी के दोहे	कविता	ब व तथा न ण वर्णों की पहचान और इनके प्रयोगों में अंतर	38-45
6.	भय का भूत	अंधविश्वास मिटाना	लोक-कथा	श ष स तथा य ज वर्णों की पहचान और इनके प्रयोगों में अंतर	46-51
7.	मन की पीड़ा	गांधी जी के जीवन की घटना	जीवनी	1. क्ष त्र ज्ञ में दो वर्णों की पहचान और उनके प्रयोगों में अंतर 2. 'हे राम्' में लगी टेढ़ी रेखा ् की जानकारी 3. , । ? - ! "" विराम चिह्नों की जानकारी	52-61
8.	बुद्धि का फल	हास्य-मनोरंजन	कहानी	1. संज्ञा शब्दों की पहचान 2. स्त्रीलिंग-पुल्लिग शब्दों की पहचान, उनमें अन्तर व उनका प्रयोग 3. एकवचन और बहुवचन की पहचान व प्रयोग	62-70
		जाँच पत्र-2 (पाठ 5 से 8 तक)			71-74
9.	लड़का-लड़की एक समान	लिंग-भेद	कविता	सर्वनाम की पहचान तथा प्रयोग	75-82
10.	विक्की की सद्बुद्धि	वृद्धजनों का सम्मान	कहानी	1. क्रिया की पहचान 2. क्रिया के तीनों कालों का ज्ञान	83-90
11.	बात ऐसे बनी	सूचना का अधिकार	कहानी	विशेषण	91-97
12.	आगरा की सैर	वर्णन-आगरा, फतेहपुर सीकरी	पत्र	संयुक्त वाक्य, समानार्थी शब्द	97-106
		जाँच पत्र-3 (पाठ 9 से 12 तक)			107-110
		नमूने का प्रश्न पत्र			111-118

पाठ 1

भारत वतन हमारा

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *हमारे देश में सभी को बराबरी का दर्जा दिया गया है।*
- *हमारे देश में सभी को एक समान न्याय मिलता है।*
- *हम ऐसे कर्म करें, जिनसे देश के साथ-साथ पूरे विश्व में सुख और शांति फैले।*
- *हमारे देश के संतों ने हमें प्यार और भाईचारे के साथ मिलजुलकर रहने का संदेश दिया है।*
- *धर्म अनेक हैं, परन्तु ईश्वर एक है। अतः हमें धर्म के नाम पर लड़ाई-झगड़ा नहीं करना चाहिए।*
- इ ई उ *तथा* ऊ *की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर।*
- ि ी ु *तथा* ू *की मात्राओं की पहचान और इनके प्रयोगों में अंतर।*

पाठ

भारत वतन हमारा, हम इसके गीत गाएँ।
हैं सब यहाँ बराबर, सबको गले लगाएँ।।

ऊँचा न कोई नीचा, भेदों के काटें फंदे।
अपना-पराया तजकर, स्वारथ के छोड़ें धंधे।।
इन्सान सब बराबर, इन्सानियत निभाएँ।
भारत वतन हमारा, हम इसके गीत गाएँ।।

है धूप-छाँव जैसी, यह ज़िंदगी हमारी।
इसके लिए यहाँ फिर, क्यों रोज मारा-मारी?
करनी करें भली हम, सुखमय जहाँ बनाएँ।
भारत वतन हमारा, हम इसके गीत गाएँ।।

है प्यार सबसे ऊपर, आखर हैं इसमें ढाई।
कबिरा की बात अब तक, हमने न सीख पाई।।
संतों की प्यारी वाणी, हम सीख लें, सिखाएँ।
भारत वतन हमारा, हम इसके गीत गाएँ।।

मंदिर में मसजिदों में, उसका ही नूर सारा।
ईश्वर-खुदा नहीं दो, संतों ने यह विचारा।।
मतभेद अपने सारे, हम बैठकर मिटाएँ।
भारत वतन हमारा, हम इसके गीत गाएँ।।

इनका मतलब जानिए–

शब्द		*अर्थ*	*शब्द*		*अर्थ*
वतन	=	देश	आखर	=	अक्षर
भेदों के काटें फंदे	=	मतभेद मिटा दें	वाणी	=	बोली/संदेश
धूप-छाँव	=	सुख-दुख	नूर	=	प्रकाश (चमक)
जहाँ	=	संसार			

पाठ का भाव– भारत में हर नागरिक को बराबरी का हक दिया गया है। अत: हमें सभी के साथ समानता का व्यवहार करना चाहिए। भारत में ऊँच-नीच तथा अपने और पराए का भेद करना अपराध है। जब हर इन्सान बराबर है, तब हर किसी के साथ प्रेम और भाईचारे का व्यवहार करना ही उचित है। हमारे संतों ने भी हमें सिखाया है कि जीवन में प्यार सबसे ऊपर है। अत: हमें आपस में मिलजुलकर रहना चाहिए। हमें मज़हब के नाम पर आपस में लड़ाई-झगड़ा नहीं करना चाहिए, क्योंकि धर्म अनेक हैं, पर उनकी शिक्षाएँ समान हैं।

आइए, यह भी जानें–

इ और ई स्वरों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- इ तथा ई अलग-अलग हैं, इनके प्रयोग में भी अंतर है।
- इस पाठ में इसके, इसमें और इन्सान शब्द आए हैं। इनमें इ आया है।
- इसी तरह कोई, ढाई, पाई, ईश्वर आदि शब्द आए हैं। इनमें ई आया है।

- इ तथा ई को खुद बोलकर, उनके बोलने के ढंग में अंतर समझिए। आप जानेंगे कि इ बोलने में कम समय लगता है, जबकि ई बोलने में अधिक।
- इ , ई स्वरों के मेल से बनने वाले कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। इन्हें बोलकर इनमें अंतर समझिए–

  इरादा, ईद, इमली, ईख, इलाज, रजाई

  इत्र, ईमान, इंजन, ईंधन, इज़्ज़त, बधाई

इ तथा ई स्वर से बनी मात्राओं, ि तथा ी की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- पाठ में आए कुछ शब्दों पर ध्यान दीजिए, जैसे- फिर, मिलकर, लिए, कबिरा, मंदिर, मसजिद, ज़िंदगी आदि। इनमें इ की मात्रा ि का प्रयोग हुआ है।
- इसी तरह मारामारी, नीचा, गीत, जैसी, हमारी आदि शब्द भी आए हैं। इनमें ई की मात्रा ी का प्रयोग हुआ है।
- आप पढ़ चुके हैं कि इ को बोलने में कम समय लगता है और ई को बोलने में अधिक। शब्द में जिस वर्ण के साथ ये आ जाएँ, उसको भी बोलने में कम या अधिक समय लगता है, जैसे- इमली और ईख। इसी तरह कि, की। ि तथा ी मात्राओं की आवाज में अंतर है। इसीलिए ि को छोटी इ की मात्रा तथा ी को बड़ी ई की मात्रा कहते हैं।

जिस तरह से इ स्वर को बोलने में कम समय लगता है, उसी तरह इसकी मात्रा ि को बोलने में भी कम समय लगता है। ई स्वर की मात्रा ी को बोलने में अधिक समय लगता है। जैसे– किसान और कीमत, मिल और मील।

अब ि तथा ी की मात्रा वाले नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और इनके बोलने के ढंग में अंतर समझिए:

अधिकार – हथकड़ी	किवाड़ – कीमती	महिला – दीदी
गिनती – आबादी	किसान – महीना	किरन – गाड़ी
सिलाई – बारीक	मिर्च – खीझ	मिरगी – इलायची
घिसाई – कीचड़	झिलमिल – झीना	कठिन – कभी कभी

आइए, उ तथा ऊ स्वर की पहचान तथा इनके प्रयोग में अन्तर जानें।

- पाठ में 'उसका' शब्द आया है। इसमें उ स्वर का प्रयोग हुआ है।
- इसी तरह पाठ में 'ऊँचा', 'ऊपर' जैसे शब्द भी आए हैं। इनमें ऊ स्वर का प्रयोग हुआ है।
- आप उ तथा ऊ को खुद बोलकर इनको बोलने में लगने वाले समय पर ध्यान दीजिए। आप जानेंगे कि उ बोलने में कम समय लगता है, जैसे- उपला, उधार। परंतु ऊ की आवाज़ में ज्यादा देर लगती है, जैसे- ताऊ, कमाऊ। यही कारण है कि उ को छोटा उ और ऊ को बड़ा ऊ कहते हैं।
- **उ तथा ऊ से बने कुछ अन्य शब्द नीचे लिखे हैं, इन्हें बोलकर इनमें अंतर समझिए:**

उगना – ऊँघना	उल्टा – ऊबना
उमस – ऊँचा	उधार – ऊसर
उस्तरा – ऊपरी	उपला – ऊन
उठना – ऊँट	उल्लू – ऊदल

उ तथा ऊ स्वरों से बनी मात्राओं ु तथा ू की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- पाठ में 'सुख', 'खुदा' जैसे शब्द आए हैं।
  इसमें उ की मात्रा ु का प्रयोग हुआ है।
- इसी तरह धूप शब्द आया है। इसमें ऊ की मात्रा ू का प्रयोग हुआ है।
- अत: आप जान गए होंगे कि–
  उ की मात्रा ु है तथा ऊ की मात्रा ू है।

अब आप ु और ू की मात्रा वाले नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और इनको बोलने में लगने वाले समय के अंतर पर ध्यान दीजिए:

मुराद – मजबूर	पुजारी – पूजा	जामुन – गेहूँ
कुम्हार – मजदूर	पुकार – पूस	पुराना – फालतू
मुरगा – मशहूर	महुआ – बहू	कुत्ता – पालतू
पुराना – तराजू	जादुई – जादूगर	पुत्र – सपूत

उ तथा ऊ स्वरों की तरह ही ु तथा ू की मात्राओं वाले शब्दों को बोलने में भी अन्तर है। ु की मात्रा जिस वर्ण में लगे, उसे बोलने में कम समय लगता है, ू की मात्रा वाले वर्ण को बोलने में अधिक समय लगता है।

अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) भारत देश की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

.....

(ख) ''है धूप-छाँव जैसी, यह जिन्दगी हमारी।'' इसका मतलब लिखिए।

.....

(ग) यह संसार सुखमय कैसे बन सकता है?

.....

(घ) संतों ने हमें क्या शिक्षा दी है?

.....

(ङ) हम आपसी मतभेद कैसे भुला सकते हैं?

.....

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए:

- भारत वतन हमारा .....।
- अपना पराया तजकर .....।
- ..... सुखमय जहाँ बनाएँ।
- ..... आखर हैं इसमें ढाई।
- मंदिर में मसजिदों में .....।
- मतभेद अपने सारे .....।

3. सही वाक्य के आगे (√) तथा गलत वाक्य के आगे (×) का निशान लगाइए:

(क) हमें मजहब के नाम पर आपस में लड़ना चाहिए। ( )

(ख) हम अच्छी करनी करके संसार को सुखमय बना सकते हैं। ( )

(ग) संतों ने हमें प्रेम और भाईचारे की शिक्षा दी है। ( )

(घ) भारत में सभी नागरिक समान नहीं हैं। ( )

4. नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनाइए:

बराबर .....

धूप-छाँव .....

नूर .....

मतभेद .....

इन्सान .....

5. ि ी तथा ु ू से बने समान मात्रा वाले शब्दों को जोड़िए:

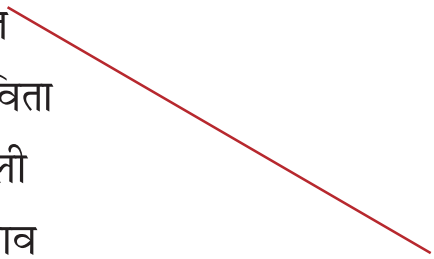

जैसे –	गीत	थाली
	कविता	कबूतर
	माली	मथुरा
	चुनाव	मीत
	जादूगर	सरिता
	चतुर	मुनाफा

6. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाइए:

मुनी	–	मुनि	लड़ाई	–	लड़ाइ
किचड़	–	कीचड़	चढ़ाइ	–	चढ़ाई
उठना	–	ऊठना	ताउ	–	ताऊ
बुढ़ा	–	बूढ़ा	उनी	–	ऊनी
पति	–	पती	ईमान	–	इमान
सुर्य	–	सूर्य	उँचा	–	ऊँचा
मुल्य	–	मूल्य	पकड़ी	–	पकड़ि

7. नीचे लिखे शब्दों के पहले अक्षरों को जोड़कर नए शब्द बनाइए:

जैसे–किवाड़ – लाभ

किला

चीन – नीम

.....

नमक – दीवार

.....

बिना – लगाम

.....

भीख – लकड़ी

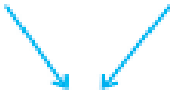

.....

संगीन – गगन

.....

पुरजा – ललक

.....

धुलाई – नल

.....

भूमि – तमंचा

.....

भाव – लूट

.....

8. दिए गए उदाहरणों को देखकर उ ऊ तथा ु ू का प्रयोग करके दो-दो शब्द बनाइए:

जैसे- उ – उपकार	ऊ – ऊपर
उ – 1......	ऊ – 1.....
2.....	2.....
ु – पुराना	ू – चूहा
ु – 1.....	ू – 1.....
ु – 2.....	ू – 2.....
ु – हलुआ	ू – जादू
ु – 1.....	ू – 1.....
ु – 2.....	ू – 2.....

आइए, करके देखें–

हिंद देश के निवासी, सभी जन एक हैं।

रंग–रूप वेश–भाषा सब चाहे अनेक हैं।

यह कविता रेडियो और टीवी पर आती है। ध्यान से सुनकर पूरी कविता लिखिए।

अब यह जानिए

हमारे देश पर लम्बे समय तक अंग्रेज़ों ने शासन किया। उन्होंने फूट डालकर और हमें आपस में लड़वाकर अपना स्वार्थ सिद्ध किया। बहुत लंबी लड़ाई के बाद हमें आज़ादी मिली। इसी आज़ादी को बनाए रखने के लिए हमें एक होकर परिवार की तरह रहना चाहिए।

पाठ 2

खेजड़ली गाँव का शहीद मेला

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ लगाना आवश्यक है।*
- *नए पेड़ों की देखभाल करना जरूरी है।*
- *अमृता ने पेड़ों की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया।*
- *ए, ऐ, ओ तथा औ की पहचान करना तथा इनके प्रयोग में अन्तर।*
- े , ै , ो *और* ौ *मात्राओं की पहचान और इनके प्रयोग में अन्तर।*

पाठ

अभय सिंह जोधपुर का राजा था। गिरधर भंडारी उसका दीवान था। वह रौबदाब वाला, बड़ा गुस्सैल और ज़िद्दी स्वभाव का था। एक बार उसे इमारती लकड़ी की ज़रूरत पड़ी। उसने खेजड़ली गाँव में पेड़ काटने का हुक्म दे दिया।

गाँव वालों ने जब यह सुना तो वे गुस्से से भर गए। वे हरे पेड़ न खुद काटते थे, न दूसरों को काटने देते थे। पेड़ों से वह गाँव खुशहाल था। खूब बारिश होती थी। इमारती लकड़ी मिलती। पशुओं को छाया मिलती। उन्होंने दीवान के मज़दूरों को लौटा दिया।

दीवान को इस बात की जानकारी मिली। उसने अपने सैनिक भेज दिए।

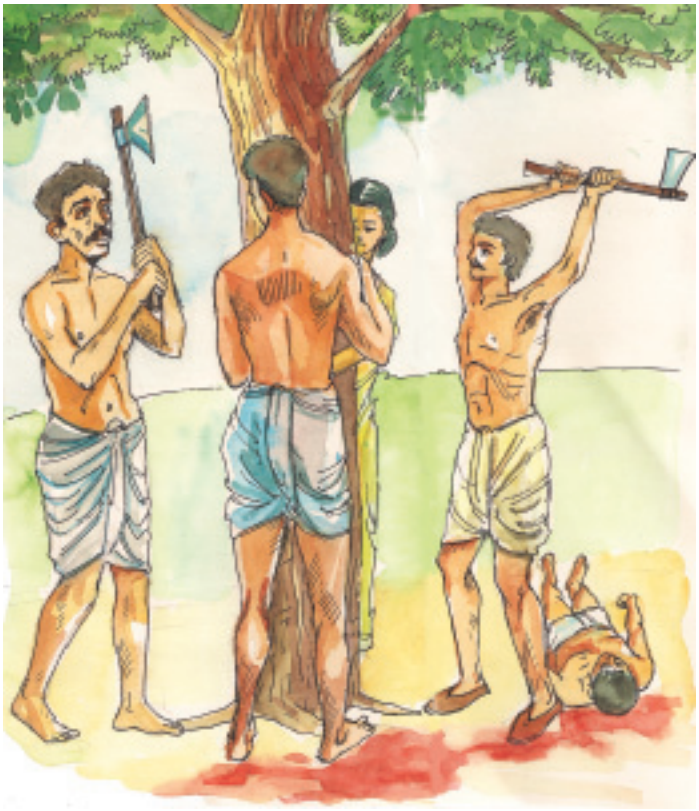

कुल्हाड़ियाँ चलने लगीं। खेजड़ली की एक औरत अमृता आगे आई। वह एक पेड़ से लिपट गई। पर कुल्हाड़ियाँ रुकी नहीं। अमृता कट गई। फिर तो कटने वालों का ताँता ही लग गया। तीन सौ तिरेसठ लोग कट गए। कटने वालों में मर्द और औरतें दोनों थे।

अंत में मज़दूरों ने कुल्हाड़ियाँ फेंक दीं। ऐलान कर दिया– हम भी इंसान हैं। बेकसूरों को कहाँ तक मारें।

अमृता अमर हो गई। उसकी याद में वहाँ अब हर साल मेला लगता है। उसे खेजड़ली का शहीद मेला कहते हैं। दूर-दूर से लोग मेले में आते हैं। रंग-बिरंगी ओढ़नी ओढ़कर औरतें आती हैं। अमृता के गीत गाती हैं।

वहाँ आज भी उस दिन पेड़ लगाए जाते हैं। लोग इसे शगुन मानते हैं। आज खेजड़ली गाँव के चारों ओर हरियाली है।

पेड़ों से आती खुशहाली।
हर हालत में हो रखवाली।।
पेड़ों को मानो संतान।
एक वृक्ष दस पुत्र समान।।

इनका मतलब जानिए–

शब्द		*अर्थ*
गुस्सैल	=	गुस्सा करने वाला
जिद्दी	=	ज़िद/हठ करने वाला
ताँता लगना	=	एक के बाद एक का आना
शगुन	=	शुभ

आइए, यह भी जानें–

ए और ऐ स्वरों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- इस पाठ में एक, गए, दिए जैसे शब्द आए हैं, जिनमें ए आया है।
- इसी तरह ऐसा, ऐलान जैसे शब्द आए हैं, जिनमें ऐ आया है।
- ए और ऐ से बने कुछ शब्दों के उदाहरण नीचे दिए गए हैं। इन शब्दों को बोलकर ए और ऐ के अन्तर को समझिए–

एकता	ऐसी
एड़ी	ऐनक

एकड़	ऐलान
नए	ऐरावत

ए ऐ से बनी मात्राओं े और ै की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- इस पाठ में पेड़, खेजड़ली जैसे शब्द आए हैं। इनमें े की मात्रा लगी है।
- इसी तरह पाठ में गुस्सैल, सैनिक शब्द आए हैं। इनमें ै की मात्रा लगी है।

ए की मात्रा े वाले शब्द बोलने में कम बल लगता है।

ऐ की मात्रा ै वाले शब्द में अधिक बल लगता है।

- **अब नीचे लिखे शब्दों को बोलकर े तथा ै मात्रा का अन्तर समझिए:**

बेर	बैर	मेल	मैल
बेल	बैल	वेद	वैद
खेल	शैतान	मेला	मैदान
महेश	हैरान	गणेश	कैलाश

ओ और औ स्वरों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- इस पाठ में ओर, ओढ़नी जैसे शब्द आए हैं, जिनमें ओ का प्रयोग हुआ है।
- इसी तरह पाठ में और, औरत जैसे शब्द आए हैं, जिनमें औ का प्रयोग हुआ है।
- ओ और औ दोनों को खुद बोलकर देखिए। इनकी आवाज़ के अन्तर को समझिए।
- औ स्वर शब्द के बीच में कभी नहीं आता, शुरू में ही आता है।

- ओ और औ से बने कुछ अन्य शब्द यहाँ दिए जा रहे हैं। इन्हें बोलकर समझिए:

ओस	औज़ार
ओला	औलाद
ओखली	औसत
ओसारा	औकात

ओज	औषध
ओढ़नी	औरत
ओझल	औघड़

ओ तथा औ स्वरों से बनी मात्राओं ो तथा ौ की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- पाठ में जोधपुर, लोग जैसे शब्द आए हैं। इनमें ो की मात्रा लगी है।
- इसी तरह पाठ में रौनक, रौबदाब जैसे शब्द आए हैं। इनमें ौ की मात्रा लगी है।

  अब नीचे लिखे शब्दों को बोलकर ो और ौ की मात्रा का अंतर समझिए–

मोल	मौला
गोल	गौना
बोझ	बौना
गोद	गौरव
घोंसला	हौसला

लोटा	हथौड़ा
कटोरी	पकौड़ा
पोटली	चौपाल
चोर	चौराहा
झोपड़ी	बौना

अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) गिरधर भंडारी कौन था?

.....

(ख) गिरधर भंडारी ने पेड़ काटने का हुक्म क्यों दिया?

.....

(ग) अमृता पेड़ से क्यों लिपट गई?

.....

(घ) मजदूरों ने कुल्हाड़ियाँ क्यों फेंक दीं?

.....

(ङ) आज खेजड़ली गाँव में खुशहाली क्यों है?

.....

2. सही वाक्य के आगे (√) तथा गलत वाक्य के आगे (×) का निशान लगाइए:

(क) खेजड़ली गाँव के लोग हरे पेड़ काटते थे। ( )

(ख) तीन सौ तिरेसठ मर्द और औरतें कट गईं। ( )

(ग) अमृता की याद में हर साल मेला लगता है। ( )

(घ) खेजड़ली गाँव में लगने वाले मेले को वृक्ष मेला कहते हैं। ( )

(ङ) आज भी लोग मेले के दिन पेड़ लगाते हैं। ( )

(च) अब तो गाँव में चारों ओर हरियाली है। ( )

3. ए ऐ ओ औ में से सही वर्ण जोड़कर नीचे लिखे शब्दों को पूरा कीजिए और लिखिए:

जैसे– .....नक ..... ऐनक .....

- .....कता .....
- .....जार .....
- .....ढ़नी .....

4. ऐसे दो-दो शब्द बनाकर लिखिए, जिनमें नीचे लिखे वर्ण आ जाएँ:

जैसे–	ए	एकता	नए
	ऐ		
	ओ		
	औ		

5. सही शब्द पर गोला लगाइए:

जैसे–

ऐकता	एकता
औज़ार	ओज़ार
औखली	ओखली

एकाएक	ऐकाएक
ऐरावत	एरावत

6. नीचे लिखी मात्राएँ जिन शब्दों में आएँ, ऐसे दो-दो शब्द बनाकर लिखिए:

जैसे–	े	खेल	रेल	मेला
	ै	पैसा		
	ो	पोटली		
	ौ	पौधा		

आइए, करके देखें–

- अपने जन्म दिन तथा इसी तरह के शुभ अवसरों पर पेड़ जरूर लगाएँ। ओरौं को भी पेड़ लगाने को कहें। पेड़ों की देखभाल अवश्य करें, नहीं तो वे मर जाएँगे।

अब यह जानिए

- पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए जरूरी हैं। इनके बिना हमारा जीवन खतरे में पड़ सकता है।
- बिना इजाजत के हरे पेड़ काटना कानूनन अपराध है। ऐसा करने पर सजा हो सकती है।

पाठ 3

ऋचा की कृपा

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *अच्छी सेहत के लिए साफ-सफाई की आवश्यकता है।*
- *बच्चों में साफ-सफाई की आदत डालना माता-पिता की जिम्मेदारी है।*
- *दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी।*
- *सरकारी अस्पतालों से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी।*
- ऋ *स्वर और इसकी मात्रा* ृ *की पहचान।*
- र *के विविध रूपों की पहचान।*

पाठ

बसंती के घर नई बहू आई थी। नाम था ऋचा। ऋचा पढ़ी-लिखी और समझदार थी।

बसंती की बड़ी बहू चंद्रकला के दो बच्चे थे– पुत्र हर्ष और पुत्री मृदुला। दोनों इन दिनों बीमार थे। मृदुला को दस्त लगे थे। हर्ष भी बहुत कमजोर था।

ऋचा ने देखा– उसकी जेठानी साफ़-सफ़ाई का कोई ध्यान नहीं रखती थी। बिना हाथ धोए ही बच्चों को खाना खिला देती थी। रसोई में खाना ढककर नहीं रखती

थी। बच्चे नंगे पैर घूमते रहते थे। ऋचा समझ गई कि बच्चों की बीमारी का कारण यही है। मौका पाकर ऋचा ने माताजी से कहा– माताजी, मृदुला को दस्त लगे हैं। इसको डॉक्टर को दिखा दिया जाए।

बसंती– नहीं बहू, इसके दाँत निकल रहे हैं। इसकी वजह से ऐसा हो रहा है।

ऋचा– माताजी, दस्त होने का कारण सिर्फ दाँत निकलना ही नहीं होता। साफ़–सफ़ाई का ध्यान न रखने, गंदे हाथों से खाना खिलाने, गंदा पानी पिलाने से भी दस्त हो सकते हैं।

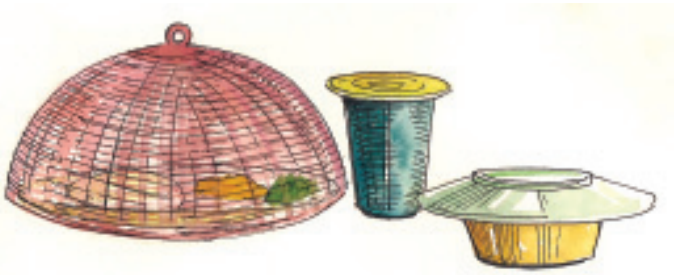

बसंती– रहने दे बहू, बात मत बना! हमने बच्चे नहीं पाले हैं क्या?

ऋचा ने विनम्र होकर कहा– माताजी, गंदा खाना खाने से, गंदे हाथों से खाना खिलाने से पेट की बीमारियाँ हो जाती हैं। हैज़ा भी हो सकता है, जो जानलेवा होता है। इनसे बचाव के लिए सफ़ाई का ध्यान रखना ज़रूरी है।

बसंती– बहू, तुम्हें तो बहुत जानकारी है।

ऋचा– यह सब हमें ट्रेनिंग में बताया गया था।

बसंती– बहू, फिर हर्ष क्यों कमज़ोर हो रहा है?

ऋचा– माताजी, हर्ष नींद में लार डालता है। दाँत भी किटकिटाता है। इसके पेट में कीड़े हो सकते हैं। पेट में कीड़े नंगे पैर घूमने और गंदगी के कारण भी हो जाते हैं।

बसंती– तो ठीक है, हर्ष और मृदुला दोनों को डॉक्टर के पास ले चलते हैं।

डाक्टर ने वही बातें दोहराईं, जो ऋचा ने कही थीं। डॉक्टर ने मल की जाँच कराई। पेट में कीड़े पाए गए। दोनों का इलाज हुआ। दोनों ठीक हो गए।

अब ऋचा खुद दोनों बच्चों का ध्यान रखने लगी। बच्चे हृष्ट-पुष्ट हो गए। जो भी बच्चों को देखता, कहता– बच्चों की सेहत अब बहुत अच्छी है।

बसंती कहती– यह सब छोटी बहू ऋचा की कृपा है।

इनका मतलब जानिए–

शब्द		*अर्थ*	*शब्द*		*अर्थ*
विनम्र	=	प्यार से	हृष्ट-पुष्ट	=	स्वस्थ, तंदुरुस्त
मल	=	टट्टी	सेहत	=	तंदुरुस्ती, स्वास्थ्य

आइए, यह भी जानें–

ऋ स्वर तथा ऋ की मात्रा ृ की पहचान और उनका प्रयोग :

- इस पाठ में ऋचा शब्द आया है।

इसमें ऋ स्वर का प्रयोग हुआ है।

ऋ से बने कुछ अन्य शब्द पढ़िए–

ऋणी, ऋषि, ऋतु, ऋतुराज, ऋषभ

- पाठ में मृदुला, कृपा, हृष्ट–पुष्ट शब्द आए हैं। इनमें ऋ की मात्रा ृ का प्रयोग हुआ है।

ऋ की मात्रा ृ से बने कुछ और शब्द पढ़िए–

संस्कृत, मृत्यु, दृढ़, अमृत

र के रूपों की पहचान और उनके प्रयोग में अन्तर समझिए:

इस पाठ में हर्ष, विनम्र, ट्रेनिंग शब्द आए हैं। इनमें 'र' के अलग–अलग रूपों का प्रयोग हुआ है। ये रूप हैं– र्, ्र और ्र

अब कुछ और शब्द पढ़िए, जिनमें 'र' के इन रूपों का प्रयोग हुआ है–

र् – कर्म, इर्द–गिर्द, गर्दन, ऑर्डर, गर्मी, उर्मिला, निर्धन, आशीर्वाद

्र – प्रकार, प्रधान, प्रकाश, ग्राहक, व्रत, विक्रेता, नम्र, प्रेम

्र – ट्रक, ट्रैक्टर, ट्रॉली, ड्रम, ड्राइवर, ट्रेन, राष्ट्र, ड्रामा

नोट– ्र का प्रयोग केवल ट, ड, के साथ ही किया जाता है, जैसे– राष्ट्र, ट्रक ड्रम, ड्राइवर आदि।

अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों में से सही शब्द छाँटकर लिखिए:

कृपा	किरपा	....
अमरत	अमृत	....
पृथ्वी	प्रथ्वी	....
मुर्गा	मुरगा	....
गराम	ग्राम	....
ड्रम	डरम	....

2. नीचे लिखे शब्दों में र के रूपों ि, ्र या ‸ का प्रयोग कर सही शब्द लिखिए:

डम पकाश पाण ....

काय वत दशन टाली ....

3. गोले में दिए गए वर्णों से शब्द बनाइए:

ट्रे ड्र ण मृ अ
का म प्र न र्द
जा कृ ग्रा त
ऋ र पा

जैसे– ट्रेन	ऋण
....	....
....	....
....	....
....	....

4. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) बड़ी बहू के बच्चों के क्या नाम थे?

.....

(ख) बसंती ने ऋचा को दस्त होने का क्या कारण बताया?

.....

(ग) ऋचा ने दस्त होने का दूसरा कारण क्या बताया?

.....

(घ) बसंती बच्चों को लेकर कहाँ गई?

.....

(ङ) पेट में कीड़े होने के क्या लक्षण हैं?

.....

आइए, करके देखें–

- नालियों में जहाँ बहुत मच्छर हों, वहाँ पर थोड़ा मिट्टी का तेल डालिए। देखिए, क्या होता है।
- अगर आपके घर का गंदा पानी निकलकर इधर-उधर फैल रहा है, तो घर के बाहर नाबदान बनाइए।
- पीने का पानी और खाने-पीने की चीज़ों को ढककर रखिए।

अब यह जानिए

गंदे पानी तथा गंदे भोजन से पेट की बहुत-सी बीमारियाँ होती हैं, जैसे-दस्त लगना, हैज़ा होना, पीलिया आदि। ये खतरनाक रोग हैं। इनसे बचने के लिए खाना बनाते समय सफाई का ध्यान रखें। खाना ढककर रखें। ताजा खाना खाएँ और खिलाएँ। भोजन बनाने और पीने के लिए साफ पानी का इस्तेमाल करें। बीमारी होने पर तुरन्त डाक्टर को दिखाएँ।

सभी सरकारी व निजी अस्पतालों में गरीबों का मुफ्त इलाज़ होता है। उन्हें जीवन रक्षक दवायें मुफ्त दी जाती हैं। ज़्यादा बीमार को वार्ड में भर्ती किया जाता है। उसका खाना-पीना सब मुफ़्त होता है। जनरल वार्ड में मरीजों के टेस्ट मुफ़्त किए जाते हैं। गरीबों को एम्बुलेंस की सुविधा मुफ़्त मिलती है। अगर कोई व्यक्ति अपने या अपने रिश्तेदार के इलाज से संतुष्ट नहीं है तो वह मेडिकल काउंसिल में अपनी शिकायत दर्ज़ करा सकता है। वह पास के पुलिस स्टेशन में भी शिकायत कर सकता है। इलाज़ में कोताही बरते जाने पर उपभोक्ता अदालत में अर्ज़ी दी जा सकती है।

पाठ 4

सब पढ़ें - आगे बढ़ें

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *शिक्षा के अधिकार संबंधी नियम।*
- *मुफ्त शिक्षा के मापदंड।*
- *अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों में गरीब परिवारों के बच्चों के दाखिले की सुविधा।*
- *बिना मान्यता वाले स्कूलों के बारे में कानून।*
- *पिछड़ी जाति तथा गरीबी की रेखा से नीचे के बच्चों को स्कूलों में दी जाने वाली सुविधाएँ।*
- ड ड़ ढ ढ़ *वर्णों की पहचान तथा उनके प्रयोग में अन्तर।*

पाठ

डंबर सिंह– मास्टरजी और प्रधानजी को मेरी राम-राम। आइए, बैठिए। आज आप हमारे मोहल्ले में कैसे घूम रहे हैं?

प्रधानजी– डंबर सिंह, सरकार ने हमको जिम्मेदारी दी है कि हमारे गाँव के सभी बच्चे स्कूल जाएँ। आपके लड़के तथा लड़की दोनों ही स्कूल नहीं जाते हैं। क्या बात है?

डंबर सिंह– प्रधानजी, मैं बच्चों को नहीं पढ़ा सकता। मेरे पास पैसे नहीं हैं।

प्रधानजी– डंबर सिंह, बेढंगी बात मत कर। अब पैसे की बात ही नहीं है। सरकार ने एक नया कानून बनाया है, जिसमें 6 साल से 14 साल तक के सभी बच्चों को 8वीं कक्षा तक की शिक्षा मुफ़्त दी जाती है। अब आपको न तो फ़ीस देनी है, न ड्रेस बनवानी है। इन सबका खर्च सरकार उठाएगी। इतना ही नहीं, किताबें, कापियाँ व बस्ते के साथ-साथ दोपहर का खाना भी मुफ़्त में मिलेगा।

डंबर सिंह– मास्टरजी, मैंने सुना है कि जन्म प्रमाण–पत्र के बिना स्कूल में दाखिला नहीं होता। मेरे पास तो किसी भी बच्चे का जन्म प्रमाण–पत्र नहीं है।

मास्टरजी– घबराइए नहीं, आपको जन्म का प्रमाण–पत्र देने की ज़रूरत नहीं है। आप सीधे जाकर नाम लिखवा सकते हैं।

मंगलू (डंबर सिंह का भाई)– मास्टरजी! क्या हमारे बच्चे अंग्रेज़ी माध्यम के प्राइवेट स्कूलों में भी पढ़ सकते हैं?

मास्टरजी– क्यों नहीं? परन्तु एक बात जानना बहुत ज़रूरी है। अब सरकार ऐसे स्कूलों को बंद करवा रही है, जो मान्यता प्राप्त नहीं हैं। ऐसे स्कूल चलानेवालों पर अब एक लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। इसके बाद भी अगर स्कूल चलता है तो 10 हज़ार रुपए रोज जुर्माना देना होगा। अब सभी मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों, नवोदय व केन्द्रीय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों में एक चौथाई गरीब लोगों के बच्चों का दाखिला करना अनिवार्य है।

मंगलू– मास्टरजी, सुना है, वहाँ चंदा लेते हैं। दाखिले से पहले इम्तिहान लेते हैं। माँ–बाप का इंटरव्यू लेते हैं।

मास्टरजी– मंगलू, तुमने ठीक सुना है। पर अब ऐसा नहीं होता। अगर कोई स्कूल पिछड़े वर्ग के बच्चों को किसी भी बहाने से दाखिला नहीं देगा तो उस पर 25 हज़ार रुपए जुर्माना होगा। अगर वह गलती दोहराएगा तो उस पर 50 हज़ार रुपए का जुर्माना होगा। फिर भी नहीं माना तो उसकी मान्यता ही रद्द कर दी जाएगी।

मंगलू– मास्टरजी, वहाँ तो बड़े–बड़े लोगों के बच्चे पढ़ते हैं। फिर हमारे बच्चों को अपने साथ कौन बैठने देगा?

मास्टरजी– मंगलू, बेफ़िक्र हो जाओ। अब डरने की बात नहीं है। आपके बच्चों को सभी बच्चों के साथ बिठाना पड़ेगा। सबकी पढ़ाई साथ बैठकर ही होगी।

मंगलू– मास्टरजी, शिक्षा के अधिकार का यह नया कानून तो बहुत अच्छा है। हमें इसके तौर–तरीके की जानकारी ही नहीं थी। अब तो मैं पूरे मोहल्ले में ढिंढोरा पीट

दूँगा। सभी बच्चे पढ़ सकें, इसके लिए उन्हें स्कूल भिजवाने की पूरी कोशिश करूँगा।

इनका मतलब जानिए–

शब्द		*अर्थ*
ड्रेस	=	स्कूल का पहनावा
मान्यता	=	स्वीकृति
इंटरव्यू	=	आमने-सामने की पूछताछ
ढिंढोरा पीटना	=	सबको खबर करना

आइए, यह भी जानें–

ड और ड़ की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- इस पाठ में ड्रेस और डंबर शब्द आए हैं। इनमें ड वर्ण का प्रयोग हुआ है।
- इसी तरह पाठ में लड़का, लड़की, पिछड़े, बड़े आदि शब्द आए हैं। इन शब्दों में ड़ वर्ण का प्रयोग हुआ है।
- आप देख रहे हैं कि ड वर्ण के नीचे जब बिंदी लग जाती है, तो उसकी आवाज़ बदल जाती है।

ध्यान दें: ड किसी शब्द के शुरू में, बीच में या अंत में आ सकता है। परन्तु ड़ किसी शब्द के शुरू में नहीं आता। यह शब्द के बीच और अंत में ही आता है।

ड और ड़ वाले कुछ और शब्द नीचे लिखे हैं। इन्हें पढ़िए और इनके अंतर को समझिए–

ड डमरू, डलिया, डॉक्टर, डाल, डकार, डाकघर, डगमगाना, हड्डी

ड़ हड़बड़ी, हावड़ा, लड़ाई, गाड़ी, मकड़ी, उजाड़

ढ और ढ़ की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

- इस पाठ में ढिंढोरा शब्द आया है। इस शब्द में ढ वर्ण का प्रयोग हुआ है।
- इसी तरह पाठ में पढ़, पढ़ाई शब्द आए हैं। इनमें ढ़ वर्ण का प्रयोग हुआ है।
- आप देख रहे हैं कि जब ढ वर्ण के नीचे बिंदी लग जाती है, तो उसकी आवाज़ बदल जाती है।

ढ और ढ़ वाले कुछ और शब्द नीचे लिखे हैं। इन्हें पढ़िए और इनके अंतर को समझिए–

ढ ढकना, ढंग, ढपली, ढिबरी, ढोलक, गड्ढा, बुड्ढा

ढ़ चढ़ाई, कढ़ाई, बाढ़, बढ़ई, आषाढ़, अनपढ़, अलीगढ़

ध्यान दें: ढ़ का किसी शब्द के शुरू में प्रयोग नहीं होता।

अभ्यास

1. **नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:**

(क) मास्टरजी प्रधान जी के साथ गाँव में क्यों घूम रहे थे?

.....

(ख) मास्टरजी ने डंबर सिंह को किस ज़िम्मेदारी की बात बताई?

.....

(ग) डंबर सिंह ने बच्चों को स्कूल न भेजने की क्या मज़बूरी बताई?

.....

(घ) मास्टर जी ने डंबर सिंह को बच्चों की पढ़ाई के लिए सरकार की ओर से दी जाने वाली किन-किन सुविधाओं की जानकारी दी?

.....

(ङ) गरीबों के बच्चों को दाखिला न देने पर निजी स्कूलों को क्या दंड दिया जाता है?

.....

2. पाठ के आधार पर वाक्यों में सही शब्द भरिए:

- आपके ..... दोनों ही स्कूल नहीं जाते हैं। (लड़के और लड़की/भतीजा और भतीजी)
- आठवीं कक्षा तक स्कूलों में न फ़ीस देनी होगी, न ..... बनवानी होगी। (हज़ामत/ड्रेस)
- निजी स्कूलों में प्रवेश पाने वाले गरीब बच्चे अमीर बच्चों के साथ ही ..... । (पढ़ेंगे/नहीं पढ़ेंगे)
- अब मैं पूरे मोहल्ले में ..... पिटवा दूँगा। (ढिंढोरा/ढोलक)

3. नीचे लिखे शब्दों के रेखा खींचकर जोड़े बनाइए और खाली स्थान पर लिखिए:

जैसे–	पिछड़ी	कॉपी	पिछड़ी जाति
	लड़का	अमीर	.....
	किताब	लड़की	.....
	गरीब	जाति	.....
	पढ़ाई	लिखाई	.....

4. सही शब्द के आगे (√) तथा गलत शब्द के आगे (×) का निशान लगाइए :

जैसे–

ड़ग	(×)	ढाल	( )
डाक	( )	बूढ़ा	( )
सीढी	( )	कढाई	( )

5. शब्दों से वाक्य बनाइए:

जैसे–बूढ़ी– बूढ़ी काकी अब चल-फिर नहीं सकती।

झगड़ा .....

लड़की .....

डर .....

ढाल .....

6. पाठ में नीचे लिखे वर्ण जिन शब्दों में आए हों, उन्हें चौखानों में लिखिए:

जैसे–

ड	डंबर	डरना	ड्रेस
ड़			
ढ			
ढ़			

7. पढ़िए और ड़ , ड , ढ , ढ़ वाले से बने शब्दों पर निशान लगाइए तथा नीचे लिखिए:

गाँव में कई लोग लड़कियों को नहीं पढ़ाते हैं। थोड़ी बड़ी होने पर उनकी शादी हो जाती है। वे मन से भी कच्ची होती हैं और तन से भी। वे जवानी में ही बूढ़ी हो जाती हैं। सरकार ने अब इस ओर ध्यान दिया है। उसने मान लिया है कि एक लड़की पढ़ेगी तो सात पीढ़ी तरेंगी।

....

....

आइए, करके देखें–

आपके गाँव में या आस-पास के गाँवों में कितने निजी स्कूल हैं? इनकी सूची बनाइए। पता करिए कि इन्हें सरकार से मान्यता मिली है या नहीं। सरकारी मान्यता प्राप्त स्कूलों में गरीब परिवारों के कितने बच्चों को प्रवेश दिया गया है? इसकी जानकारी प्राप्त करके गाँव के प्रधान को दीजिए।

अब यह जानिए

सरकार ने अशिक्षा को दूर करने के लिए 'शिक्षा का अधिकार' नाम से कानून बनाया है। यह कानून पूरे देश में लागू है। सरकार की कोशिश है कि देश में अब कोई भी बच्चा गरीबी के कारण अशिक्षित न रहे। यह कानून हर बच्चे को मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी देता है।

जाँच पत्र-1

(पाठ 1 से 4 तक)

1. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

माँ का पहला दूध बच्चे के लिए अमृत होता है। प्रकृति की तरफ से यह पहला टीका है। यह बच्चे को शक्ति देता है। बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। इसमें बच्चे की ज़रूरत के सभी विटामिन होते हैं। यह गाढ़ा हल्के पीले रंग का होता है। हो सकता है, बच्चा शुरू में स्तन को ठीक तरह से न चूस पाए। लेकिन जल्द ही वह ऐसा करने में सफल हो जाता है। यदि बच्चा ऑपरेशन से पैदा हुआ है, तो माँ बेहोशी की हालत से बाहर आते ही दूध पिलाए। माँ अपना पहला दूध बच्चे को अवश्य पिलाए। बच्चे से उसका हक न छीने। 4-6 महीने तक अपना दूध अवश्य पिलाती रहे। इसके बाद बच्चे को ऊपरी खुराक भी दे।

(क) माँ के पहले दूध के कोई दो गुण लिखिए।

.....

(ख) माँ का पहला दूध कैसा होता है?

.....

(ग) माँ का दूध कब तक पिलाना चाहिए?

.....

(घ) अगर बच्चा ऑपरेशन से हुआ है तो क्या करें?

.....

2. पढ़े गए पाठों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) 'ऊँचा न कोई नीचा, भेदों के काटें फंदे' का अर्थ लिखें।

.....

(ख) हमारे संतों ने क्या शिक्षा दी है?

.....

(ग) खेजड़ली गाँव में लगने वाले मेले का क्या नाम है?

.....

(घ) सरकार ने पेड़ काटने पर क्यों पाबंदी लगाई है?

.....

(ङ) पेड़ों से क्या-क्या मिलता है?

.....

(च) साफ़-सफ़ाई न बरतने से बच्चे क्यों बीमार हो जाते हैं?

.....

(छ) पेट में कीड़े होने के क्या लक्षण हैं?

.....

(ज) गंदे पानी से क्या-क्या बीमारियाँ होती हैं?

.....

(झ) अंग्रेज़ी स्कूलों में गरीब बच्चों के लिए दाखिले में कितना प्रतिशत आरक्षण है?

.....

(ट) गरीब बच्चों को सरकारी स्कूलों में क्या-क्या सुविधाएँ मुफ़्त मिलती हैं?

.....

3. सही वाक्य के आगे (√) तथा गलत वाक्य के आगे (×) का निशान लगाइए:

(क) हमें मज़हब के नाम पर आपस में नहीं लड़ना चाहिए। ( )

(ख) सब इन्सान बराबर नहीं हैं। ( )

(ग) ईश्वर व खुदा अलग-अलग नहीं हैं। ( )

(घ) पेड़ हमारे शत्रु हैं, मित्र नहीं। ( )

(ङ) खाना खाने से पहले हाथ धोएँ। ( )

(च) शिक्षा का अधिकार कानून में सब बच्चों का पढ़ने जाना ज़रूरी नहीं है। ( )

(छ) अंग्रेज़ी स्कूलों में गरीबों के बच्चों का 25% दाखिला होना चाहिए। ( )

4. सही शब्द लिखिए:

जैसे- पूराना	–	पुराना	किरपा	–	.....
उपर	–	.....	डरम	–	.....
चारपाइ	–	.....	नरक	–	.....
हथोडा	–	.....	डलया	–	.....
ओरत	–	.....	चढाई	–	.....

पेसा – अनपड़ –

5. गोले में दिए गए अक्षरों से शब्द बनाइए:

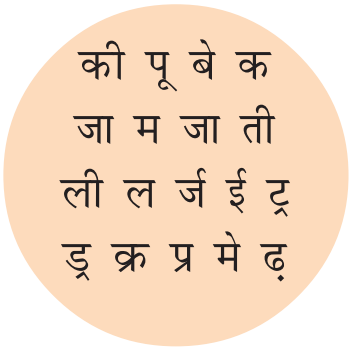

जैसे– 1. कीमती 2. पूजा

3. ..... 4. .....

5. ..... 6. .....

7. ..... 8. .....

पाठ 5

जीवन-मूल्य

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- कबीर, रहीम और तुलसी के दोहों से मिलने वाली सीख।
- किसी के साथ छल-कपट करना ठीक नहीं है।
- दूसरों की पीड़ा समझने वाला महान होता है।
- जो जैसा कर्म करता है, उसे वैसा ही फल मिलता है।
- जो मुसीबत के समय साथ दे, वही सच्चा मित्र है।
- अपनी पीड़ा दूसरों से कहने पर लोग मजाक उड़ाते हैं।
- मीठे वचन बोलकर सबको अपने वश में किया जा सकता है।
- जहाँ अपना मान-सम्मान न हो, वहाँ जाना उचित नहीं है।
- ब और व तथा न और ण वर्णों की पहचान व उनके प्रयोग में अन्तर।

कबीर के दोहे

मन काला तन ऊजरा, बगुला कपटी अंग।
तासों तो कौवा भला, तन-मन एकहि रंग॥

कबीर

भावार्थ– बगुले का शरीर तो सफ़ेद है, लेकिन मन काला है। उसका उजला शरीर देखकर मछलियाँ उसे सज्जन समझ लेती हैं। परन्तु पास आते ही बगुला मछली का शिकार कर लेता है। कबीर कहते हैं कि उससे अच्छा तो कौवा है। उसका शरीर और मन दोनों काले हैं। उससे किसी को धोखा नहीं होता।

कबिरा सोई पीर है, जो जानै पर पीर।
जो पर पीर न जानई, सो काफिर बेपीर॥

भावार्थ– कबीर कहते हैं कि वही व्यक्ति महान है, जो दूसरों की पीड़ा को महसूस करता है। जो दूसरों की पीड़ा नहीं समझता, वह ईश्वर को न मानने वाला और बेदर्द है।

करै बुराई सुख चहै, कैसे पावै कोय।
रोपै पेड़ बबूल का, आम कहाँ ते होय॥

भावार्थ– जो व्यक्ति बुरे कर्म करके सुख पाना चाहता है, उसे सुख कैसे मिल सकता है। बबूल का पेड़ रोपने वाले को काँटे ही मिलेंगे, आम के फल नहीं मिल सकते। बुरे कर्मों का नतीजा भी बुरा ही होगा।

सजन सनेही बहुत हैं, सुख में मिलें अनेक।
बिपति पड़े दुख बाँटिए, सो लाखन में एक॥

भावार्थ– सुख के दिनों में तो चाहने वाले बहुत मिल जाते हैं, परन्तु मुसीबत पड़ने पर दुख बाँटने वाला या साथ देने वाला कोई लाखों में एक होता है।

रहीम के दोहे

रहीम

जे गरीब पर हित करें, ते रहीम बड़ लोग।
कहाँ सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग।।

भावार्थ– रहीम कहते हैं, जो गरीबों की मदद करते हैं, वे महान होते हैं। बेचारा सुदामा श्री कृष्ण की मित्रता के लायक कहाँ था। फिर भी उन्होंने सुदामा से बचपन की मित्रता पूरी तरह निभाई। उसकी मदद की। यह श्री कृष्ण का बड़प्पन था।

रूठे सुजन मनाइए, जो रूठे सौ बार।
रहिमन फिर-फिर पोहिए, टूटे मुक्ताहार।।

भावार्थ– रहीम कहते हैं कि कोई सज्जन व्यक्ति अगर सौ बार भी रूठे तो उसे बार-बार मना लेना चाहिए। जैसे मोतियों का कीमती हार बार-बार टूटने पर भी हर बार मोतियों को चुनकर गूँथ लेते हैं, क्योंकि वह हार कीमती है। इसी तरह सज्जन व्यक्ति भी अनमोल होता है।

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर ना जुड़ै, जुड़ै गाँठ परि जाय।।

भावार्थ– रहीम कहते हैं कि प्रेम रूपी धागे को एक झटके से नहीं तोड़ देना चाहिए। एक बार टूट जाने पर वह फिर जुड़ेगा नहीं। अगर जुड़ भी गया तो उसमें गाँठ ज़रूर पड़ जाएगी। वह पहले जैसा नहीं हो पाएगा। अपने किसी मित्र या सगे-संबंधी से संबंध तोड़ने पर भी यही होता है। टूटा हुआ संबंध पहले जैसा फिर नहीं जुड़ पाता।

रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय।
सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लेहै कोय।।

भावार्थ– रहीम कहते हैं कि अपने मन की पीड़ा को मन में ही छिपा कर रखो। दूसरे लोग आपकी पीड़ा सुनकर मज़ाक ही उड़ाएँगे, पीड़ा को बाँटने वाला या आपकी मदद करने वाला कोई नहीं मिलेगा।

तुलसी के दोहे

तुलसी मीठे बचन ते, सुख उपजत चहुँ ओर।
बसीकरन इक मंत्र है, परिहरु बचन कठोर॥

तुलसीदास

भावार्थ– तुलसीदास जी कहते हैं कि मीठे वचन सुनकर सबको सुख पहुँचता है। मीठे वचन वशीकरण मंत्र की तरह हैं, जो सबको अपने वश में कर लेते हैं। इसलिए किसी से कठोर अथवा कड़वे वचन मत बोलो। कठोर वचन सबको कष्ट ही पहुँचाते हैं।

आवत ही हरषै नहीं, नैनन नहीं सनेह।
तुलसी वहाँ न जाइए, कंचन बरसे मेह॥

भावार्थ– तुलसी का कहना है कि किसी के घर जाने पर अगर उसे खुशी न हो और आँखों से प्रेम न छलके तो ऐसे व्यक्ति के यहाँ भूलकर भी न जाइए। भले ही उसके यहाँ सोना बरसता हो।

काम क्रोध मद लोभ की, जौ लौं मन में खान।
तौ लौं पंडित मूरखौ, तुलसी एक समान॥

भावार्थ– तुलसी कहते हैं कि जब तक काम, क्रोध, घमंड और लालच का मन में वास है, तब तक विद्वान भी मूर्ख के समान ही है।

इनका मतलब जानिए–

शब्द		*अर्थ*
ऊजरा	=	उजला/सफ़ेद
पीर	=	पीड़ा/महान व्यक्ति
काफ़िर	=	ईश्वर को न मानने वाला
बेपीर	=	बेदर्द
बापुरो	=	बेचारा
मिताई जोग	=	मित्रता के लायक
सुजन	=	सज्जन
पोहिये	=	गूँथिए
मुक्ताहार	=	मोतियों का हार
बिथा	=	पीड़ा
गोय	=	छिपाना
अठिलैहैं	=	हँसी उड़ाएँगे

शब्द		*अर्थ*
बसीकरन	=	वश में कर लेने वाला
परिहरु	=	छोड़ दो
हरषै	=	खुश होना
सनेह	=	प्रेम
कंचन	=	सोना
मेह	=	बादल
मद	=	घमंड
लोभ	=	लालच
पंडित	=	विद्वान
जौ लौं	=	जब तक
तौ लौं	=	तब तक

आइए, यह भी जानें–

ब और व वर्णों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

इस पाठ में कबीर, बबूल, गरीब, बुराई और बगुला जैसे शब्द आए हैं। इन शब्दों में ब का प्रयोग हुआ है। इसी तरह आवत, वहाँ, पावै जैसे शब्दों में व का प्रयोग किया गया है। ब और व के फर्क को समझिए। अक्सर लोग इस फर्क को नहीं समझते और ब की जगह व तथा व की जगह ब का प्रयोग करने की गलती करते हैं। इससे शब्द गलत हो जाता है। कभी-कभी अर्थ भी बदल जाता है।

जैसे– **दवा** देना और **दबा** देना
इसमें दोनों के अर्थ अलग-अलग हैं।

न और ण वर्णों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

अनेक, समान, मन, कंचन जैसे शब्दों को देखिए। इनमें न का प्रयोग हुआ है। इसी तरह रामायण, कल्याण और प्राण में ण का प्रयोग हुआ है। दोनों के बोलने और लिखने के फर्क को समझिए। कहीं-कहीं लोग रामायण को रामायन बोलते या लिखते हैं। कल्याण को कल्यान बोलते या लिखते हैं। सही शब्द रामायण और कल्याण हैं।

अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) दूसरे की पीड़ा न समझने वाले को क्या कहते हैं?

.....

(ख) प्रेम का धागा क्यों नहीं तोड़ना चाहिए?

.....

(ग) अपने मन की पीड़ा दूसरों से क्यों नहीं कहनी चाहिए?

.....

(घ) कैसे लोगों के घर नहीं जाना चाहिए?

.....

2. नीचे लिखी पंक्तियाँ पूरा कीजिए:

- करे बुराई सुख चहै, ...
- रहिमन धागा प्रेम का, ...
- रहिमन निज मन की बिथा, ...

3. रेखा से मिलाकर शब्दों के सही जोड़े बनाइए:

जैसे–	मन काला	मंत्र है
	रोपै पेड़	प्रेम का
	रहिमन धागा	मनाइए
	बसीकरन इक	तन ऊजरा
	तुलसी तहाँ	बबूल का
	टूटे सुजन	न जाइए

4. नीचे लिखे प्रश्नों के चार-चार संभावित उत्तर दिए गए हैं। सही उत्तर के आगे (√) का निशान लगाइए:

- जो दूसरों के साथ बुरा करता है, उसे–

(क) दुख नहीं मिलता	( )	(ख) सुख नहीं मिलता	( )
(ग) घर नहीं मिलता	( )	(घ) कुछ नहीं मिलता	( )

- कृष्ण सुदामा के–

(क) शत्रु थे	( )	(ख) भाई थे	( )
(ग) मित्र थे	( )	(घ) पुत्र थे	

- दूसरों से अपनी पीड़ा कहने पर लोग–

(क) मारेंगे	( )	(ख) मदद करेंगे	( )
(ग) गुस्सा करेंगे	( )	(घ) मज़ाक उड़ाएँगे	( )

5. नीचे लिखी पंक्तियाँ तुलसी, कबीर, रहीम में से किस कवि ने लिखी हैं, उनका नाम लिखिए:

- कहाँ सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग।। .....
- रोपै पेड़ बबूल का, आम कहाँ ते होय।। .....
- आवत ही हरषै नहीं, नैनन नहीं सनेह। .....

- विपति पड़े दुख बाँटिए, सो लाखन में एक।।

6. सही शब्द के आगे (√) का निशान लगाइए:

वगीचा	बगीचा	वढ़ई	बढ़ई
रावण	रावन	ऋन	ऋण
भाषण	भाषन	पुराण	पुरान
साबन	सावन	वालक	बालक

आइए, करके देखें–

- इस पाठ के दोहे याद करिए। उन्हें दूसरों को सुनाइए। उन पर चर्चा कीजिए।
- कबीर, रहीम और तुलसी पर पुस्तकें ढूँढ़कर पढ़िए। इनके बारे में और अधिक जानकारी जुटाइए।
- कबीर, रहीम, तुलसी के दोहों के कैसेट और सी. डी. भी बाज़ार में उपलब्ध हैं। उन्हें लाकर सुनिए।

अब यह जानिए

- कबीर एक संत और भक्त कवि थे। उनके नाम पर कबीर पंथ चला। आज भी कबीर के लाखों अनुयायी हैं, जिन्हें कबीर पंथी कहा जाता है। कबीर के दोहे और पद लोक जीवन में आज भी कहे और सुने जाते हैं।
- रहीम का पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना था। वे मुगल सम्राट अकबर के मंत्री और सेनापति थे। रहीम एक अच्छे कवि भी थे। उनके दोहे लोगों की ज़ुबान पर बसे हैं।
- तुलसीदास राम के अनन्य भक्त थे। उन्होंने रामचरितमानस की रचना की, जो आज भी घर-घर में पढ़ी-सुनी जाती है।

पाठ 6

भय का भूत

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *भूत-प्रेत मन का वहम होता है।*
- *भय हमें कमजोर बनाता है।*
- *बिना जाँचे-परखे सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास करना ठीक नहीं है।*
- *स ष और श वर्णों के उच्चारण और प्रयोग में अंतर।*
- *य और ज वर्णों के उच्चारण और प्रयोग में अंतर।*

पाठ

बात सलीमपुर गाँव की है। गाँव में चर्चा थी कि गाँव के श्मशान में भूत आते हैं। इससे लोगों के मन में भूतों का भय बैठ गया था। कुछ लोग कहते थे कि उन्होंने वहाँ भूतों के नाचने की आवाज़ें भी सुनी हैं। कुछ का कहना था कि उन्होंने वहाँ रात में आग जलते देखी है। जितने मुँह, उतनी बातें।

एक बार गाँव के कुछ लड़कों में शर्त लगी– जो आधी रात में श्मशान में खूँटा गाड़कर आएगा, उसे सौ रुपये मिलेंगे। शंकर ने कहा– "मैं जाऊँगा श्मशान। भूत-प्रेत सब मन का वहम है।"

शंकर ने कह तो दिया, पर मन ही मन वह डरा हुआ भी था। अगर सचमुच भूत हुआ तो! पर अब तो शर्त लग चुकी थी।

उसी रात शंकर खूँटा और हथौड़ा लेकर श्मशान पहुँच गया। डर के मारे उसका दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़कने लगा। पर फिर भी हिम्मत करके वह हथौड़े से खूँटा गाड़ने लगा।

खूँटा गाड़कर वह वापस जाने के लिए मुड़ा, तो चल नहीं पाया। उसे लगा, उसकी धोती कोई पीछे से खींच रहा है। उसने चिल्लाना चाहा, पर डर से आवाज़ नहीं निकली। किसी तरह वह ज़ोर लगाकर दौड़ पड़ा। गिरते-पड़ते बदहवास-सा जब वह गाँव पहुँचा, तब उसे ध्यान आया कि वह तो बिना धोती के ही भाग आया है।

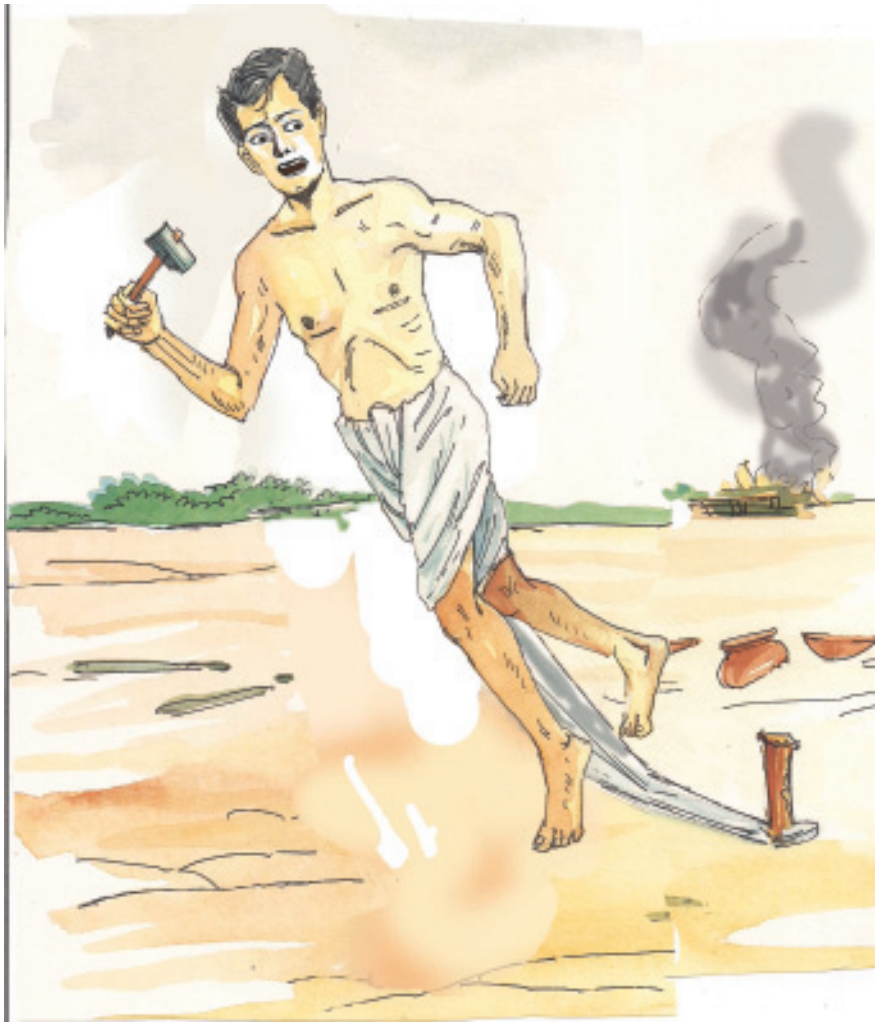

उसकी हालत देखकर दोस्तों ने पूछा–''शंकर, क्या हुआ?''

शंकर अब भी डर के मारे काँप रहा था। बोला–''भूत ने मेरी धोती छीन ली।'' हँसी छिपाकर दोस्तों ने उसे दिलासा दिया।

अगले दिन सुबह शंकर दोस्तों के साथ श्मशान पहुँचा। वहाँ देखा कि खूँटे के साथ उसकी धोती का एक कोना ज़मीन में गड़ा हुआ है। यह देखकर सारा माज़रा उनकी समझ में आ गया।

गाँव आकर उन्होंने गाँव वालों को सारा किस्सा सुनाया। उस दिन से सबके मन से भूत का भय जाता रहा।

इनका मतलब जानिए–

शब्द		*अर्थ*
चर्चा	=	ज़िक्र, किसी विषय पर बातचीत
भय	=	डर
माज़रा	=	मामला
जितने मुँह, उतनी बातें	=	अलग-अलग तरह की बातें

आइए, यह भी जानें–

स श और ष वर्णों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

स, श और ष को हम अक्सर एक ही तरह से बोलते हैं, पर इनका प्रयोग अलग-अलग तरह से किया जाता है।

जैसे–

स – इसे बोलने में ऊपर और नीचे के दाँत नजदीक आ जाते हैं। इसीलिए इसे दंत्य स कहते हैं। जैसे–सलीमपुर, साथ, सारा, सहभोज।

ष – इसका उच्चारण सीधे कंठ या गले से होता है। इसे मूर्धन्य ष कहते हैं। ष के कुछ शब्द हैं– षट्कोण, विष, राष्ट्र।

श – इसे बोलने में जीभ तालु की तरफ जाती है। इसे तालव्य श कहते हैं। श के कुछ शब्द हैं– शेर, रोशनी, ताश, शंकर, शर्त, पलाश, शतरंज।

य और ज वर्णों का उच्चारण और इनके प्रयोग में अंतर:

कई बार लोग बोल-चाल में य की जगह ज का प्रयोग करते हैं। फिर उसे उसी तरह से लिखने भी लगते हैं। जैसे– यमुना को जमुना, यजमान को जजमान, यज्ञ को जज्ञ, यशोदा को जसोदा। इनमें सही शब्द हैं– यमुना, यजमान, यज्ञ, यशोदा।

अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) सलीमपुर गाँव के लोग क्यों डरे हुए थे?

.....

(ख) शंकर के दोस्तों ने क्या शर्त लगाई थी?

.....

(ग) शंकर की धोती कैसे उतर गई?

.....

(घ) लोगों के मन से भूत का भय कैसे गया?

.....

2. सही वाक्य के आगे (√) तथा गलत वाक्य के आगे (×) का निशान लगाइए:

जैसे– सलीमपुर गाँव के लोग भूत से डरते थे। (√)

- मन ही मन शंकर भी डरा हुआ था। ( )
- शंकर श्मशान में खूँटा गाड़ने गया था। ( )
- भूत-प्रेत मन का वहम नहीं है। ( )
- शंकर का कुरता खूँटे के साथ फँस गया था। ( )

3. रेखा खींचकर सही शब्दों के जोड़े बनाइए:

जैसे–

भूत का	वहम
जितने मुँह	शर्त
सौ रुपये की	भय
मन का	उतनी बातें

4. नीचे लिखे वाक्य पूरे कीजिए:

जैसे– सलीमपुर में चर्चा थी कि श्मशान में भूत रहते हैं।

(क) लोगों के मन में.....

(ख) भूत-प्रेत सब.....

(ग) जो खूँटा गाड़कर आएगा, उसे.....

(घ) शंकर को लगा, उसकी धोती कोई.....

5. नीचे लिखे शब्दों को सही करके लिखिए:

जैसे–	शट्कोण	षट्कोण	शहयोग	.....
	समसेर	.....	साहश	.....
	षावन	.....	जमुना	.....

आइए, करके देखें–

साहस की और अंधविश्वास दूर करने की कहानियाँ सुनिए और सुनाइए।

अब यह जानिए

हमारे देश में अब भी बहुत से लोग अंधविश्वास में जकड़े हुए हैं। अंधविश्वास के कारण तमाम लोग ठगे जाते हैं। तंत्र-मंत्र और झाड़-फूँक करने वाले ढोंगी लोग अंधविश्वास और अज्ञान का नाजायज़ फ़ायदा उठाते हैं। भूत-प्रेत होने का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है।

पाठ 7

मन की पीड़ा

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *भारत की गरीबी के बारे में महात्मा गांधी के विचार।*
- *उपयोगी चीजों का दुरुपयोग रोकना।*
- *दो वर्णों के मेल से बने वर्णों* क्ष त्र ज्ञ *की जानकारी।*
- *वर्ण के नीचे लगने वाले हलन्त* ् *की जानकारी।*
- *पूर्ण विराम* । *, अद्‌र्ध विराम* , *, अल्प विराम* ; *, प्रश्नवाचक चिह्न* ? *, विस्मय सूचक चिह्न* ! *, योजक चिह्न* - *, निर्देशक चिह्न* — *, उद्‌धरण चिह्न* ‘ ’ *एवं* “ ” *तथा कोष्ठक* ( ) *की जानकारी।*

पाठ

बात सेवाग्राम की है। गांधी जी का जन्मदिन मनाया जा रहा था। प्रार्थना के बाद गाँधी जी का प्रवचन होना था। जन्मदिन के कारण आज बहुत लोग आए थे।

गांधी जी समय पर आ गए। सामने घी का दीया जल रहा था। दीये को देखकर गांधी जी चौंक गए। यह नई बात थी। वे एकटक कई क्षणों तक दीये को देखते रहे।

प्रार्थना शुरू हुई। गांधी जी उसमें लीन हो गए। प्रार्थना में श्रद्धा, भक्ति और ज्ञान की त्रिवेणी बह रही थी।

प्रार्थना के बाद गांधी जी का प्रवचन होना था। हर बार गांधी जी नई-नई बातें बताते थे। सब लोग अधीर थे कि आज गांधी जी क्या कहेंगे? सहसा गांधी जी ने पूछा–''यह दीया कौन लाया है?''

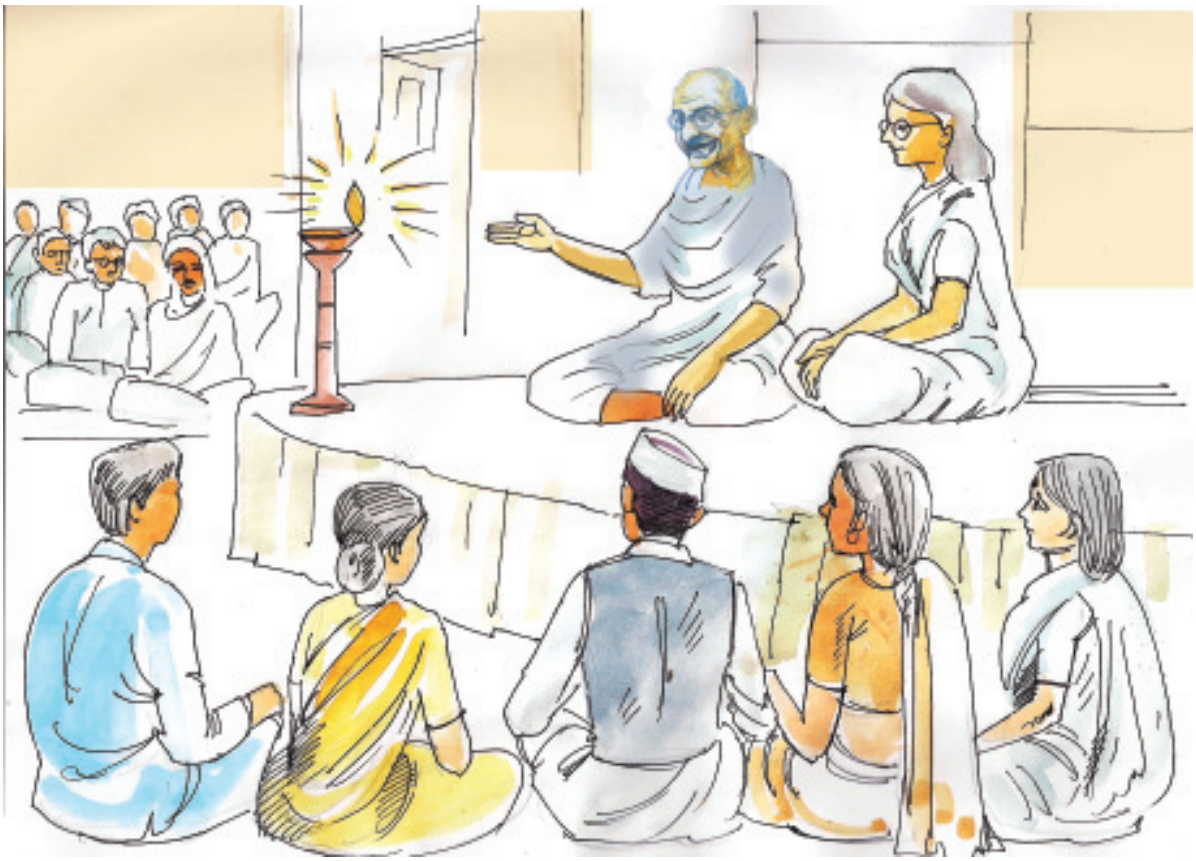

सब चुप थे। कस्तूरबा पास ही बैठी थीं। वे बोलीं–''यह दीया मैं लाई हूँ।''

गांधी जी ने पूछा–''कहाँ से लाई हो?''

बा ने उत्तर दिया–''गाँव से लाई हूँ। आज आपका जन्मदिन है न!''

गांधी जी थोड़ी देर के लिए मौन और अवाक् हो गए। उनके चेहरे पर चिंता की लकीरें खिंच गईं। वे गंभीर स्वर में बोले– ''हे राम! आज यह सबसे बुरा काम हुआ

है। बा ने घी का दीया नहीं जलाया, मेरा दिल जलाया है। आज मेरा जन्मदिन है। इसीलिए दीया जलाया गया है। आस-पास के गाँवों में गरीब लोग रहते हैं। वे दो वक्त की रोटी कठिनाई से जुटा पाते हैं। यह मैं रोज़ देखता हूँ कि वे बेचारे ज्वार-बाजरे की सूखी रोटी खाते हैं। रोटी पर चुपड़ने के लिए तेल तक नहीं मिलता। मेरे आश्रम में आज घी का दीया जल रहा है। यह कितने आश्चर्य की बात है! हे भगवन्! मुझे क्षमा करना।''

वे आगे बोले– ''जो चीज़ गरीबों को नसीब न हो, उसे हम कैसे बरबाद कर सकते हैं?''

गांधी जी के प्रवचन में उनके मन की पीड़ा झलक उठी थी।

इनका मतलब जानिए–

शब्द		*अर्थ*
सेवाग्राम	=	गुजरात का एक स्थान, जहाँ गांधी जी का आश्रम है।
प्रवचन	=	उपदेश, अच्छे विचार
त्रिवेणी	=	तीन का समूह
श्रद्धा	=	सम्मान, आदर
ज्ञान	=	जानकारी
क्षण	=	थोड़ी देर
लीन	=	रम जाना
अधीर	=	बेचैन
सहसा	=	अचानक

शब्द		*अर्थ*
मौन	=	चुप, शान्त
चिंता की लकीरें खिंचना	=	परेशान होना, फ़िक्र करना
गंभीर	=	गहरा, शांत
दिल जलाना	=	तकलीफ़ देना, कष्ट देना
वक़्त	=	समय
कठिनाई	=	मुश्किल
आश्चर्य	=	अचंभा
क्षमा	=	माफ़
नसीब	=	किस्मत

आइए यह भी जानें–

क्ष , त्र , ज्ञ वर्णों की पहचान और इनका प्रयोग:

इस पाठ में आपने नीचे दिए शब्द पढ़े हैं–

क्षमा, त्रिवेणी, ज्ञान

- इनमें आए वर्ण क्ष , त्र और ज्ञ तीनों ही दो-दो अक्षरों के योग से बने हैं।

जैसे–
- 'क्ष'– क और श के मेल से बना है।
- 'त्र'– त और र के मेल से बना है। त्र, त्र का ही रूप है।
- 'ज्ञ'– ज् और ञ के मेल से बना है।

इस तरह वर्णमाला में तीन संयुक्त अक्षर होते हैं– क्ष त्र ज्ञ।

क्ष त्र ज्ञ वाले और भी शब्द देखिए–

कक्षा, त्रिदेव, विज्ञान, रक्षा, रात्रि, यज्ञ

हलन्त ् चिह्न की पहचान और इसका प्रयोग:

जैसे– अवाक्, अहम्, भगवन्

ऊपर लिखे शब्दों में आए तीनों अक्षरों क्, म्, न् को ध्यान से देखिए।

इन अक्षरों के नीचे एक तिरछी रेखा (्) लगी है।

यह तिरछी रेखा ही हलन्त चिह्न है। इसे लगाने के बाद कोई भी वर्ण आधा हो जाता है।

अतः यहाँ, क्, म्, न् आधे अक्षर हैं।

अब हलन्त ् चिह्न वाले कुछ और शब्दों को पढ़कर समझिए:

श्रीमन्, वाग्देवी, बुड्ढा, गड्ढा, विद्वान, चमत्कार, श्रद्धा, सद्विचार

विराम आदि चिह्नों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़िए:

1. बात सेवाग्राम की है।
2. प्रार्थना में श्रद्धा, भक्ति और ज्ञान की त्रिवेणी बह रही थी।
3. गांधी जी ने पूछा–"यह दीया कौन लाया है?"
4. हे राम! आज यह सबसे बुरा काम हुआ है।

- वाक्य एक के अंत में एक खड़ी पाई (।) लगाई गई है। यह पाई पूर्ण विराम है। पूर्ण विराम वाक्य पूरा होने के बाद लगाया जाता है, जैसे– बात सेवाग्राम की है। गांधीजी का जन्म दिन मनाया जा रहा था।
- वाक्य दो में श्रद्धा और भक्ति के बीच में एक चिह्न , लगा है। यह अर्द्ध विराम है। पूर्ण विराम से थोड़ा कम रुकने के लिए अर्द्ध विराम लगाया जाता है। अर्द्ध विराम दो शब्दों या दो छोटे वाक्यों के बीच में लगता है, जैसे– उपदेश, अच्छे विचार।

  बा ने घी का दीया नहीं जलाया, मेरा दिल जलाया है।

- वाक्य तीन में 'गांधी जी ने पूछा' के बाद एक लम्बी लकीर (–) है। यह निर्देशक चिह्न (डैश) है। इस चिह्न का प्रयोग निर्देश देने के लिए या उदाहरण आदि देने के लिए किया जाता है, जैसे– गांधी जी ने पूछा– "यह दीया कहाँ से लाई हो?"

निर्देश देने और उदाहरण देने के लिए – चिह्न लगाया जाता है। इसे निर्देशक चिह्न कहते हैं।

उद्धरण चिह्नों की पहचान एवं इनका प्रयोग:

- इसी वाक्य में दो चिह्न " " लगे हैं। ये उद्धरण चिह्न हैं। जब किसी की कही हुई या लिखी हुई बात को जैसे का तैसा लिखना होता है, तो इन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, जैसे– गांधी जी ने पूछा– "यह दीया कौन लाया?" ये दोहरे उद्धरण चिह्न हैं। कहीं-कहीं इकहरे चिह्न ' ' भी प्रयोग किए जाते हैं। ये किसी पुस्तक के नाम या व्यक्ति के उपनाम में लगाए जाते हैं, जैसे– रामधारी सिंह 'दिनकर' और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'। या 'सलाम दिल्ली' पुस्तक में बहुत अच्छी कहानियाँ हैं।

किसी भी लिखी हुई या कही हुई बात को ज्यों-का-त्यों लिखने पर उसके दोनों ओर " " चिह्न लगाते हैं। इन्हें उद्धरण चिह्न कहते हैं। किसी पुस्तक के नाम या किसी व्यक्ति के उपनाम के दोनों तरफ इकहरे उद्धरण चिह्न ' ' का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्नसूचक चिह्न की पहचान एवं इसका प्रयोग:

- इसी वाक्य के अंत में एक चिह्न ? और लगा है। यह प्रश्नसूचक चिह्न है। कौन, कहाँ, क्या, कब, कैसे आदि प्रश्न वाले वाक्यों के अंत में यह चिह्न लगता है। जैसे– "आज गांधी जी क्या कहेंगे?"

जब किसी वाक्य में प्रश्न पूछा जाता है तो उस वाक्य के अंत में ? चिह्न लगता है। इसे प्रश्नसूचक चिह्न कहते हैं।

विस्मयादि बोधक चिह्न की पहचान और इसका प्रयोगः

वाक्य चार में हे राम के अंत में एक चिह्न ! लगा है। यह संबोधन का या विस्मय का चिह्न है। इसे किसी को संबोधित करते समय लगाते हैं या तब लगाते हैं, जब किसी बात पर आश्चर्य या विस्मय होता है, जैसे– ''हे भगवन्! मुझे क्षमा करना।'' ''अरे! वह भी ऐसा निकला!''

कभी-कभी वाक्य में या तो संबोधन होता है या आश्चर्य, विस्मय, दुख, प्रसन्नता आदि मन के भाव। जिस चिह्न के द्वारा इन्हें व्यक्त किया जाता है, उसे विस्मयादि बोधक चिह्न (!) कहते हैं।

अभ्यास

1. **नीचे क्ष त्र और ज्ञ से एक-एक शब्द बनाया गया है। इन वर्णों से दो-दो और शब्द बनाइएः**

क्ष	क्षमा	....	....
त्र	त्रिशूल	....	....
ज्ञ	विज्ञान	....	....

2. **क्ष त्र या ज्ञ जोड़कर नीचे लिखे शब्द पूरे करिएः**

जैसे- विज्ञान	..................त्रिय	य..................	पवि..................
..................मा	..................नी	मा..................ा	

3. **नीचे लिखे वाक्यों के शब्दों में उचित स्थान पर हलन्त चिह्न लगाइए, फिर उस शब्द को खाली जगह में लिखिएः**

जैसे– विद्यालय में वाक्कला प्रतियोगिता चल रही थी। ...वाक्कला...

- भगवन! कभी हमारे गाँव में भी तो आइए। .....
- गांधी जी गीता के महान विदवान थे। .....
- अचानक एक लड़का गडढे में गिर गया। .....

4. नीचे लिखे वाक्यों में उचित स्थान पर उपयुक्त चिह्न लगाइए। चिह्न को चौखटे ☐ में भी लिखिए:

	वाक्य	चिह्न
जैसे–	राम बाज़ार गया।	।
•	मैं कल दिल्ली गया वहाँ से मैं फल मिठाई कपड़े लाया।	
•	तुम कब से बीमार हो	
•	अरे तुम्हारा कुत्ता मर गया	
•	गीता में कहा गया है कार्य पर ध्यान दो फल पर नहीं	
•	रामधारी सिंह दिनकर महान कवि थे	
•	गांधी जी ने कहा किसी चीज़ का दुरुपयोग मत करो।	

5. दी गई जगह ☐ में चिह्न बनाइए:

- प्रश्नसूचक चिह्न ☐
- अद्र्ध विराम ☐
- अल्प विराम ☐
- पूर्ण विराम ☐
- विस्मय सूचक चिह्न ☐
- निर्देशक चिह्न ☐
- कोष्ठक ☐
- उद्धरण चिह्न ☐
- योजक चिह्न ☐

6. बाएँ से दाएँ तथा ऊपर से नीचे शब्दों को पढ़िए और लिखिए:

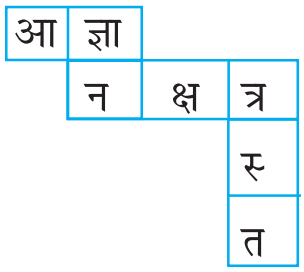

.....

.....

.....

.....

7. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) गांधी जी की सभा में भीड़ क्यों थी?

.....

(ख) गांधी जी किस वस्तु को देखकर चौंक गए?

.....

(ग) घी के दीये को देखकर गांधी जी ने क्या पूछा?

.....

(घ) गांधी जी ने घी के दीये का विरोध क्यों किया?

.....

(ङ) गांधी जी के प्रवचन में क्या झलक रहा था?

.....

आइए, करके देखें–

- गांधी जी के जीवन से जुड़ी ऐसी ही और कहानियाँ इकट्ठी करके लिखिए।

अब यह जानिए

- अंग्रेज़ों के शासन में हमारा देश बहुत गरीब था। लोगों को दो वक्त का भोजन बहुत कठिनाई से मिलता था। इस कारण गांधी जी बहुत परेशान रहते थे। वे गरीबी को दूर करने के उपाय भी बताते रहते थे। उनका कहना था कि हमें सादगी से रहना चाहिए। घरेलू उद्योग-धंधे अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ानी चाहिए। गांधी जी फ़िज़ूलखर्ची के सख़्त खिलाफ़ थे।
- गांधी जी मानते थे कि हर चीज़ उपयोगी है। हज़ारों लोगों के काम की चीज़ को बरबाद न करें। इसीलिए गांधी जी ने घी के दीये का विरोध किया था। घी खाने की चीज़ है, जलाने की नहीं। गांधी जी यह भी मानते थे कि लोग पानी, बिजली, अनाज, लकड़ी आदि की भी बरबादी करते हैं। हमें हर हालत में इस दुरुपयोग को रोकना चाहिए।

पाठ 8

बुद्धि का फल

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *सोच-समझ कर बुद्धिमानी से काम करने पर हर समस्या हल हो जाती है।*
- *किसी को नीचा दिखाने की कोशिश में खुद को ही नीचा देखना पड़ सकता है।*
- *बुद्धि या समझ कहीं से माँग कर, खरीदकर या छीनकर नहीं लाई जा सकती।*
- *संज्ञा शब्दों की पहचान।*
- *स्त्रीलिंग और पुल्लिग शब्दों की पहचान तथा उनमें अंतर।*
- *एकवचन तथा बहुवचन की पहचान व उनमें अंतर।*

पाठ

एक बार की बात है। अकबर के दरबार में पड़ोसी राज्य से एक दूत आया। उसके हाथ में एक घड़ा था। उसने घड़ा बादशाह के सामने रखकर कहा–''हुज़ूर, हमारे राजा ने आपका बड़ा नाम सुना है। आपके यहाँ एक से बढ़कर एक बुद्धिमान दरबारी हैं। राजा साहब ने आपके यहाँ से एक घड़ा बुद्धि मँगवाई है। अगर मैं खाली घड़ा लेकर लौटा तो मेरा सिर कलम कर दिया जाएगा।''

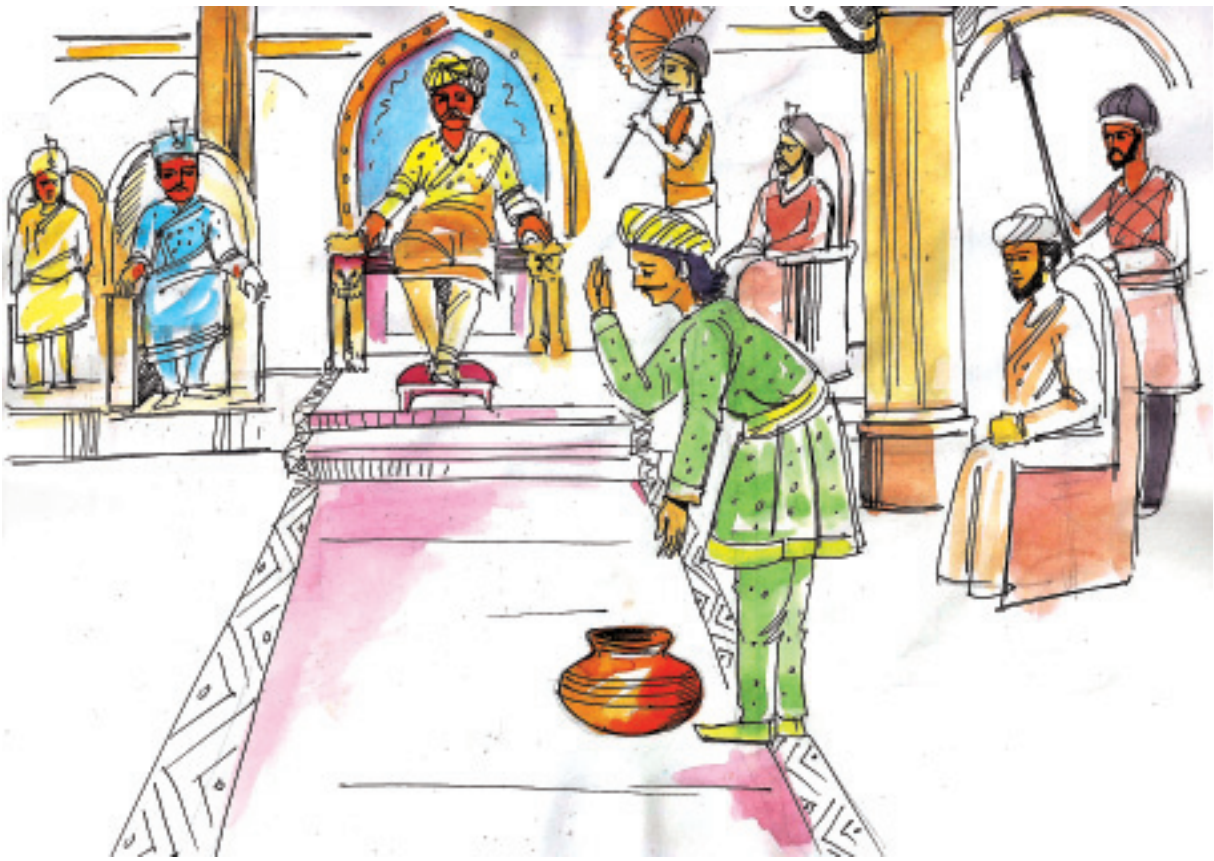

दूत की बात सुनकर बादशाह का सिर चकरा गया। भला घड़े में बुद्धि कैसे भरकर दी जाए। सारे दरबारी भी सोच में पड़ गए। अकबर ने बीरबल की ओर देखा। बीरबल ने दूत से कहा–''ठीक है, तुम एक महीने बाद आना। तुम्हें एक घड़ा बुद्धि मिल जाएगी। फिलहाल तुम मेहमान-घर जाकर आराम करो।''

अगले दिन दूत वापस चला गया। बीरबल बाज़ार से एक घड़ा और खरीद लाए। दोनों घड़े लेकर कद्दू के खेत में गए। कद्दू की बेलों में अभी छोटे-छोटे फल लगने शुरू हुए थे। बीरबल ने कद्दू की कुछ बेलों को डंडे गाड़कर ऊपर उठा दिया। बेल में लगे कद्दू के फल नीचे लटकने लगे। बीरबल ने दो फलों के नीचे एक-एक घड़ा रख दिया। कद्दू के फल उन्हीं घड़ों के अंदर बढ़ने लगे।

बीरबल प्रतिदिन उन फलों की देख-रेख करते रहे। एक महीने बाद बीरबल खेत में गए। उन्होंने कद्दू के डंठलों को काटकर घड़ों को कद्दू सहित उठा लिया। उधर दरबार में पड़ोसी राजा का दूत भी आ चुका था। बादशाह और सभी दरबारी बेचैन थे। बीरबल को आते हुए देखा तो सबकी जान में जान आई।

बीरबल ने एक घड़ा दूत को पकड़ा दिया। कहा-"इस घड़े में बुद्धि का फल है। ले जाकर अपने राजा को दे देना। उनसे कहना, जो इस फल को खाएगा, उसकी बुद्धि तलवार की धार की तरह तेज़ हो जाएगी। शर्त ये है कि फल घड़े को बिना तोड़े ही निकाला जाए। अगर घड़ा टूटा, तो फल का असर जाता रहेगा।"

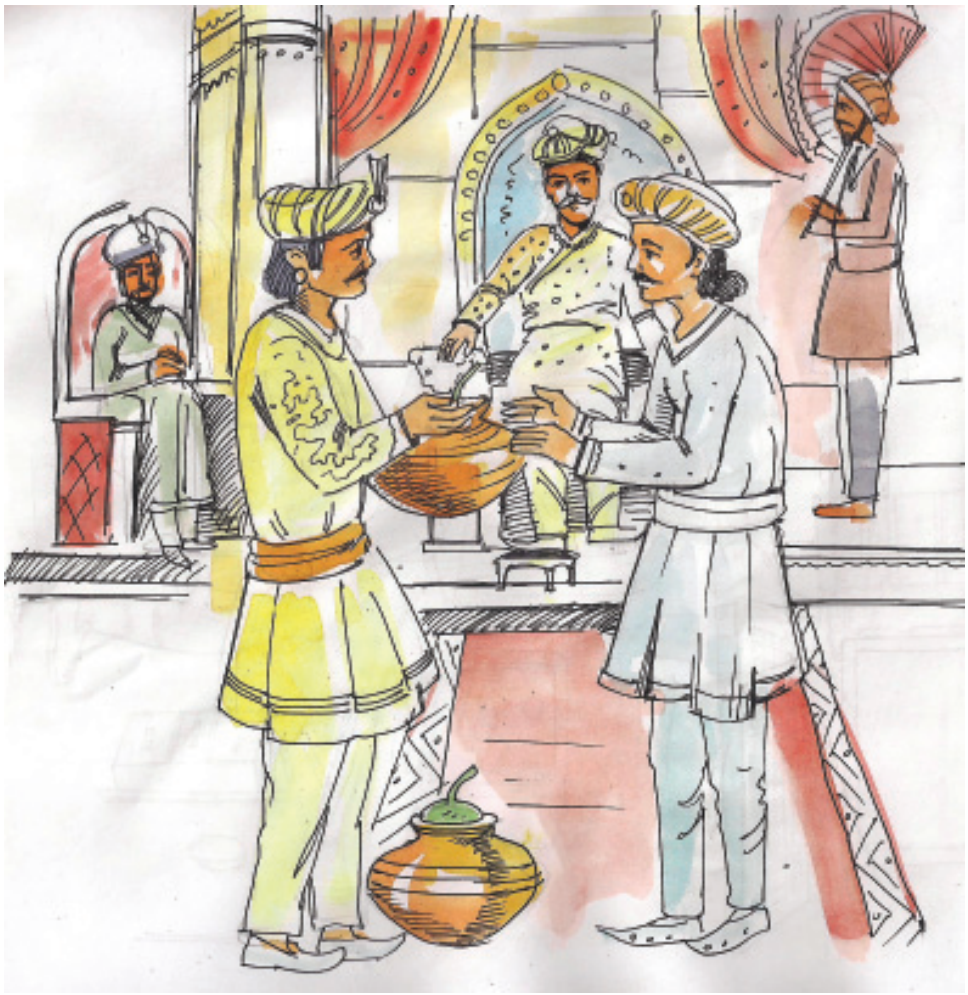

दूत आँखें फाड़-फाड़कर कुछ देर घड़े को देखता रहा। फिर चुपचाप घड़ा उठाकर चला गया। बीरबल ने दूसरा घड़ा बादशाह के सामने रख दिया। घड़े के अंदर इतना बड़ा कद्दू देखकर अकबर हो-हो करके हँस पड़े। बोले- ''वाह बीरबल! बुद्धि का यह फल देखकर पड़ोसी राजा की बुद्धि ही चकरा जाएगी।''

इनका मतलब जानिए–

शब्द		*अर्थ*
सिर कलम करना	=	सिर काट देना, मार डालना
सिर चकरा जाना	=	कुछ समझ में न आना
आँखें फाड़-फाड़कर देखना	=	आश्चर्य के साथ देखना
बुद्धि चकरा जाना	=	कुछ सोच-समझ न पाना

आइए, यह भी जानें–

संज्ञा की पहचान और इसका प्रयोग:

इस पाठ में अकबर, बीरबल, बादशाह, घड़ा, राजा, कद्दू आदि शब्द आए हैं। ये किसी न किसी व्यक्ति, पद अथवा चीज़ के नाम हैं। ऐसे शब्दों को संज्ञा कहा जाता है।

इसी तरह किसी स्थान के नाम को भी संज्ञा कहते हैं, जैसे–दिल्ली, लखनऊ, भोपाल, पटना, देहरादून आदि।

किसी वस्तु, व्यक्ति, पद अथवा स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं।

स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

इसी पाठ में बुद्धि, तलवार, शर्त, आँखें आदि शब्द आए हैं। इन शब्दों से 'स्त्री' का बोध होता है। ऐसे शब्दों को स्त्रीलिंग कहा जाता है।

इसी तरह दरबार, दूत, कद्दू आदि शब्दों से 'पुरुष' होने का बोध होता है। ऐसे शब्दों को पुल्लिग कहा जाता है। स्त्रीलिंग या पुल्लिग का ज्ञान शब्द को वाक्य में प्रयोग करके किया जाता है।

जैसे–

1. तलवार चमचमा रही है। स्त्रीलिंग
2. उसकी बुद्धि बड़ी तेज है। स्त्रीलिंग
3. राजा का दरबार लगा था। पुल्लिग
4. घड़े में बहुत बड़ा कद्दू था। पुल्लिग

- जिन शब्दों से स्त्री होने का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।
- जिन शब्दों से पुरुष होने का बोध होता है, उन्हें पुल्लिग कहते हैं।

एकवचन और बहुवचन की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

जो शब्द अकेले होने का ज्ञान कराते हैं, उन्हें एकवचन कहते हैं, जैसे– घड़ा, महीना, शर्त आदि।

जो शब्द एक से अधिक होने का ज्ञान कराते हैं, उन्हें बहुवचन कहते हैं, जैसे– घड़े, महीने, आँखें आदि।

कुछ ऐसे भी शब्द होते हैं, जो अपने आपमें एकवचन भी होते हैं और बहुवचन भी, जैसे– दरबारी, फल, कद्दू आदि।

एकवचन और बहुवचन को उदाहरण से समझिए–

1. घड़ा बहुत छोटा है। एकवचन
   घड़े बहुत छोटे हैं। बहुवचन
2. तुम्हारी आँख लाल है। एकवचन
   तुम्हारी आँखें लाल हैं। बहुवचन

3.	तुम्हें देखे हुए एक महीना बीत चुका है।	एकवचन
	तुम्हें देखे हुए कई महीने बीत चुके हैं।	बहुवचन
4.	फल कच्चा है।	एकवचन
	फल कच्चे हैं।	बहुवचन
5.	कद्दू बहुत बड़ा है।	एकवचन
	कद्दू बहुत बड़े हैं।	बहुवचन

- जो शब्द अकेले होने का बोध कराते हैं, उन्हें एकवचन कहते हैं।
- जो शब्द एक से अधिक होने का बोध कराते हैं, उन्हें बहुवचन कहते हैं।

अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) पड़ोसी राजा का दूत अपने साथ क्या लेकर आया था?

.....

(ख) दूत ने अकबर से क्या माँगा?

.....

(ग) बीरबल ने घड़े कहाँ रख दिए?

.....

(घ) बीरबल ने दूत को कितने घड़े दिए?

.....

(ङ) बादशाह हो-होकर क्यों हँस पड़े?

.....

2. बताइए, नीचे लिखी कौन-सी बात किसने कही?

(अ) ''ठीक है, तुम एक महीने बाद आना।''

.....

(ब) ''अगर मैं खाली घड़ा लेकर लौटा तो मेरा सिर कलम कर दिया जाएगा।''

.....

(स) ''बुद्धि का यह फल देखकर पड़ोसी राजा की तो बुद्धि ही चकरा जाएगी।''

.....

(द) ''अगर घड़ा टूटा तो फल का असर जाता रहेगा।''

.....

3. नीचे लिखे वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए:

- दिल्ली हमारे देश की राजधानी है। .....
- सावित्री रोज रामायण पढ़ती है। .....
- दीपावली पर लक्ष्मीजी की पूजा होती है। .....
- ईद मेल-मिलाप का त्योहार है। .....

4. नीचे दिए शब्दों में से एकवचन और बहुवचन शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए:

किताबें	मेज	लड़का	बच्चे
गधा	दरवाज़े	खिड़की	नदियाँ

	एकवचन	बहुवचन
जैसे–	गधा	किताबें
	.....	.....
	.....	.....
	.....	.....

5. नीचे दिए शब्दों में से स्त्रीलिंग और पुल्लिग शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए:

माँ	बुद्धि	दूध	फूल
पैर	कहानी	पत्थर	जुबान

	स्त्रीलिंग	पुल्लिग
जैसे–	माँ	पत्थर
	.....	.....
	.....	.....
	.....	.....

6. नीचे लिखे शब्दों के बहुवचन लिखिए:

	एकवचन	बहुवचन
जैसे–	लड़का	लड़के
	लड़की	.....
	कुर्सी	.....
	पुस्तक	.....
	नदी	.....
	कटोरा	.....

आइए, करके देखें–

अकबर–बीरबल के किस्सों और चुटकुलों पर तमाम किताबें बाजार में मिलती हैं। कभी मौका मिले तो उन्हें लाकर पढ़िए। उन किस्सों और चुटकुलों को आपस में सुनिए–सुनाइए।

अब यह जानिए

- कुछ लोग ईर्ष्या के कारण दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे रहते हैं। इसके लिए नई–नई तरकीबें निकालते रहते हैं। बुद्धिमान लोग न तो उन पर गुस्सा करते हैं, न उनका अपमान करते हैं। वे अपनी बुद्धिमानी से उनकी हरकतों का जवाब देते हैं। यह समझदारी है। याद रखें– किसी को नीचा दिखाने की कोशिश करने वालों को खुद ही नीचा देखना पड़ता है।
- बीरबल बादशाह अकबर के नौ रत्नों में से थे। वे बहुत बुद्धिमान और हाज़िरजवाब थे। उनकी बुद्धिमानी और हाज़िरजवाबी के हजारों किस्से व चुटकुले मशहूर हैं। ये किस्से और चुटकुले लोगों को कुछ न कुछ सीख तो देते ही हैं, साथ ही साथ हँसाते, गुदगुदाते और भरपूर मनोरंजन भी करते हैं।

जाँच पत्र-2

(पाठ 5 से 8 तक)

1. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

काफ़ी समय पहले भारत में एक सम्राट था। उसका नाम था– चंद्रगुप्त। उसके समय में भारत ने खूब तरक्की की। इस तरक्की का राज जानने के लिए एक चीनी यात्री चंद्रगुप्त के महामंत्री चाणक्य के पास गया।

उस समय शाम हो गयी थी। चाणक्य अपनी कुटी में एक दीपक जलाकर कुछ काम कर रहा था। चीनी यात्री ने कहा– ''आचार्य, मैं आपके साथ बैठकर कुछ बातें करना चाहता हूँ।''

आचार्य चाणक्य ने तुरंत जलता हुआ दीपक बुझा दिया। फिर दूसरा दीपक जलाकर कहा–''आओ बैठो। क्या बात करना चाहते हो?''

यात्री ने कहा–''पहले तो यह बताइए, आपने जलता हुआ दीपक बुझाकर दूसरा दीपक क्यों जलाया?''

आचार्य ने कहा–''पहले जो दीपक जल रहा था, उसमें राजकोष का तेल जल रहा था। राजकोष में एक-एक पैसा जनता की गाढ़ी कमाई का जमा होता है। उसे व्यक्तिगत कार्यों में खर्च नहीं किया जा सकता। इस दूसरे दीपक में मेरे अपने पैसों का तेल जल रहा है। इसकी रोशनी में बैठकर हम आराम से आपस में बात कर सकते हैं। आप अपनी बात शुरू कीजिए।''

यात्री ने कहा–''आचार्य, अब कुछ कहने-सुनने की ज़रूरत नहीं है। मैं जो जानने आया था, वह जान गया। जिस देश में इतने कर्मठ और ईमानदार अधिकारी हों, वह तरक्की तो करेगा ही।''

(क) सम्राट चंद्रगुप्त का महामंत्री कौन था?

.....

(ख) चाणक्य से मिलने कौन आया?

.....

(ग) चीनी यात्री चाणक्य से क्यों मिलना चाहता था?

.....

(घ) चाणक्य ने जलता हुआ दीपक क्यों बुझा दिया?

.....

(ङ) चाणक्य ने दूसरा दीपक क्यों जलाया?

.....

(च) भारत वर्ष उस समय क्यों तरक्की कर रहा था?

.....

2. पढ़े गए पाठों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) अपने मन की पीड़ा दूसरों से कहने पर क्या होगा?

.....

(ख) शर्त के अनुसार शंकर खूँटा गाड़ने कहाँ गया था?

.....

(ग) गांधी जी के जन्म दिन पर क्या जल रहा था?

.....

(घ) बीरबल बाज़ार से क्या खरीद कर लाए थे?

.....

3. सही शब्द छाँटकर खाली जगह भरिए:

चौंक सुख कद्दू पीड़ा वहम

(क) मीठे वचन सुनकर सबको ..... पहुँचता है।

(ख) भूत-प्रेत सब मन का ..... है।

(ग) गांधी जी घी का दिया देखकर ..... गए।

(घ) गांधी जी के प्रवचन में उनके मन की ..... झलक रही थी।

(ङ) घड़े के अंदर इतना बड़ा ..... देखकर अकबर हँस पड़े।

4. सही शब्दों पर सही (√) का निशान लगाइए:

बादल	वादल		विश	विष	
बकरी	वकरी		शीढ़ी	सीढ़ी	
कल्यान	कल्याण		यशोदा	जशोदा	
सावन	शावन		अखबार	अखवार	

5. नीचे लिखे शब्दों में से स्त्रीलिंग और पुल्लिग शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए:

लाठी	गहरी	पेट	सूरज	सीढ़ी	बादल
पानी	हवा	घर	अलमारी	दवा	मकान

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

6. नीचे लिखे शब्दों में से एकवचन और बहुवचन शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए:

पंखा	नहर	मिठाइयाँ	किताब	पौधा
पत्ते	नदियाँ	कुत्ता	बच्चे	औरतें

एकवचन	बहुवचन
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

7. सही जगह पर सही चिह्न लगाकर लिखिए:

सावित्री ने कहा अरे वाह आज तो बहुत अच्छा मौसम है तुम उदास क्यों बैठे हो चलो कहीं घूमने चलें।

.....

.....

पाठ 9

लड़का-लड़की एक समान

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *लड़का-लड़की दोनों बराबर हैं।*
- *लड़का-लड़की के खान-पान, पहनावे, शिक्षा आदि में भेदभाव करना ठीक नहीं।*
- *लड़का-लड़की को आगे बढ़ने के बराबर अवसर मिलने चाहिए।*
- *लड़की भी हर क्षेत्र में सफल है।*
- *सर्वनाम की पहचान और प्रयोग।*

पाठ

लड़का-लड़की एक समान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?
दोनों में है ख़ून समान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?

लड़का हो तो खुशी मनाते।
लड़की हो, रोते, पछताते।।
लड़के को अच्छा पहनाना।
लड़की को बस फटा-पुराना।।

दोनों ही अपनी संतान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?

लड़का-लड़की एक समान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?

लड़का सोता सुंदर पाट।
लड़की को क्यों टूटी खाट?
लड़का बाहर मौज उड़ाए।
लड़की घर घुट-घुट मर जाए।।

वह करती दिन भर श्रमदान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?

लड़का-लड़की एक समान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?

लड़की से दुनिया में दम।
लड़की नहीं किसी से कम।।
उसका तुम देखो विश्वास।
नाप रही धरती-आकाश।।

दोनों धरती के इन्सान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?
लड़का-लड़की एक समान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?

लड़की की ताकत पहचानो।
लड़की को मत कमतर मानो।।
लड़का कर सकता जो काम।
लड़की भी करती वह काम।।

दोनों करते काम समान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?
लड़का-लड़की एक समान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?

आओ हम सब शपथ उठाएँ।
लड़की क्षमतावान् बनाएँ।।
जिस घर में लड़की का मान।
वह घर समझो स्वर्ग समान।।

लड़की से चल रहा जहान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?
लड़का-लड़की एक समान, बोलो फिर ये भेद है क्यों?

इनका मतलब जानिए–

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
पाट	=	पलंग	कमतर	=	छोटा
घुट-घुट कर मरना	=	कष्ट झेलना	मान	=	आदर
श्रमदान	=	मेहनत करना	शपथ	=	कसम
विश्वास	=	भरोसा	जहान	=	संसार
क्षमतावान्	=	ताकतवर			

आइए, यह भी जानें–

सर्वनाम की पहचान और इसका प्रयोग:

इस पाठ में हम, वह, तुम, वे, सब, उसका आदि शब्द आए हैं। ये शब्द किसी-न-किसी नाम (संज्ञा शब्द) के बदले में आए हैं, जैसे–

– वह करती दिन भर श्रमदान– यहाँ 'वह' शब्द लड़की के लिए आया है। अत: यह सर्वनाम है।

– उसका तुम देखो विश्वास–यहाँ 'उसका' शब्द लड़की के लिए तथा 'तुम' शब्द 'माता-पिता' लिए आया है। अत: दोनों ही सर्वनाम हैं।

– आओ, हम सब शपथ उठाएँ– यहाँ 'हम' शब्द 'माता-पिता' के लिए आया है। अत: यह सर्वनाम है।

– वह घर समझो स्वर्ग समान– यहाँ 'वह' शब्द घर के लिए आया है। अत: सर्वनाम है।

इस प्रकार जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किया जाता है, उसे 'सर्वनाम' कहते हैं। जैसे– वह, वे, उसका, उनका

तुम, तुम्हारा, तुम्हारे

मैं, हम, मेरा, हमारा आदि

सर्वनाम के कुछ और उदाहरण देखिए–

मेरा भाई

उसका घोड़ा

वे आए

हमारी माँ

उसकी किताब

तुम्हारा मकान

ऊपर के उदाहरणों में जो शब्द दूसरे रंग से लिखे गए हैं, वे सर्वनाम शब्द हैं।

अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) हम लड़का और लड़की के पहनावे में क्या अंतर रखते हैं?

.....

(ख) जिस घर में लड़की का सम्मान होता है, उस घर को किसके समान बताया गया है?

.....

(ग) 'लड़की घर घुट-घुट मर जाए' का क्या मतलब है?

.....

(घ) 'लड़की से चल रहा जहान' का क्या अर्थ है?

.....

2. पाठ के आधार पर सही शब्द चुनकर खाली जगह भरिए:

(क) ..... दोनों अपनी संतान। (वे/वह)

(ख) आओ हम सब ..... उठाएँ। (शपथ/कसम)

(ग) उसका ..... देखो विश्वास (सब/तुम)

3. नीचे कविता की एक पंक्ति दी गई है। उसके बाद की दूसरी पंक्ति लिखिए:

(क) लड़की से दुनिया में दम।

.....

(ख) लड़की की ताकत पहचानो।

.....

(ग) जिस घर लड़की का सम्मान।

.....

4. नीचे लिखे वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए:

(क) तुम्हारे खेत में गेहूँ पक गया है। .....

(ख) मेरा लड़का दवाई लेने शहर गया है। .....

(ग) हमारे पिताजी अभी घर पर नहीं हैं। .....

(घ) उसकी तबीयत खराब हो गई है। .....

(ङ) मैं भी अब पढ़ाई कर रहा हूँ। .....

5. गोले में से शब्द चुनकर खाली जगह भरिए:

वे, उसका, उन्हें, वह

- लड़का आया और ..... झटपट काम में जुट गया।
- लड़कों ने खाना खाया और ..... सो गए।
- हमारी माताजी बीमार हैं, ... बुखार हो गया है।
- रामलाल स्कूल गया, वहाँ ..... दाखिला हो गया है।

6. रेखा खींचकर शब्दों के सही जोड़े बनाइए:

मेरा	बहिन	वे	दादाजी
उसकी	कुत्ता	हमारे	आए

7. सर्वनाम शब्दों के नीचे रेखा खींचिए और नीचे लिखिए:

माँ, मुझे जन्म तो दिया होता। मैं तेरे आँगन में खेलती-कूदती और अपनी किलकारियों से घर भर देती। जब मेरा विवाह होता तो मैं रोते-रोते जाती, पर जब तुझ पर कोई आफत आती, मैं भागी चली आती। माँ, मुझे जन्म तो दिया होता। बुरा हो इन मशीनों का, जो अब आई हैं। सोचो! अगर पहले ही आ गई होतीं तो तेरा भी जन्म नहीं होता।

....

....

....

आइए, करके देखें–

- यदि आप पुरुष हैं तो झाड़ू से सफ़ाई करना, पानी भरना, रोटी बनाना आदि काम करके देखिए और अनुभव कीजिए कि कैसा लगता है।

अब यह जानिए

- जिस देश में लड़का और लड़की को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलते हैं, वह देश हर क्षेत्र में तरक्की करता है।
- हमारे धर्म-ग्रंथों में लिखा है कि जहाँ नारियों की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।

पाठ 10

विक्की की सद्‌बुद्‌धि

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *समाज में बुजुर्गों का महत्त्व और उनकी उचित देखभाल।*
- *बुजुर्गों का सम्मान समाज के उत्थान के लिए आवश्यक है।*
- *क्रिया की पहचान।*
- *क्रिया के तीन कालों की जानकारी।*

पाठ

रामपुर नाम का एक गाँव था। उसमें शीशपाल नाम का एक धनी किसान रहता था। उसका एक बेटा था– विद्‌याधर। विद्‌याधर को जन्म देने के बाद उसकी माँ का निधन हो गया। शीशपाल ने ही विद्‌याधर को पाला-पोसा।

धीरे-धीरे विद्‌याधर बड़ा होने लगा। शीशपाल ने उसे पढ़ाया-लिखाया। धूम-धाम से उसकी शादी की।

विद्‌याधर की पत्नी का नाम मालती था। मालती ने भी एक पुत्र को जन्म दिया। पुत्र बहुत सुन्दर था। उसका नाम विकास चंद्र रखा गया। शीशपाल प्यार से उसे विक्की कहकर पुकारता था। शीशपाल उसे स्कूल छोड़ने जाता और वापिस भी

लाता था। विक्की भी अपने दद्दू को बहुत प्यार करता था। वह रात-दिन उन्हीं के साथ रहता। उन्हीं के साथ सोता।

समय बीता। शीशपाल बूढ़ा हो गया। उसमें चलने-फिरने की ताकत नहीं रही। खेती-बाड़ी का सारा काम विद्याधर ने सँभाल लिया। शीशपाल का आदर-सत्कार दिनों-दिन घटने लगा। उसका बिस्तर बाहर एक कोठरी में डाल दिया गया। खाने-पीने के बर्तन भी अलग कर दिए गए। बर्तन भी मिट्टी के थे, ताकि माँजने न पड़ें। विक्की यह सब देखकर बहुत दुखी था। लेकिन वह क्या कर सकता था! अपना मन मार कर रह जाता।

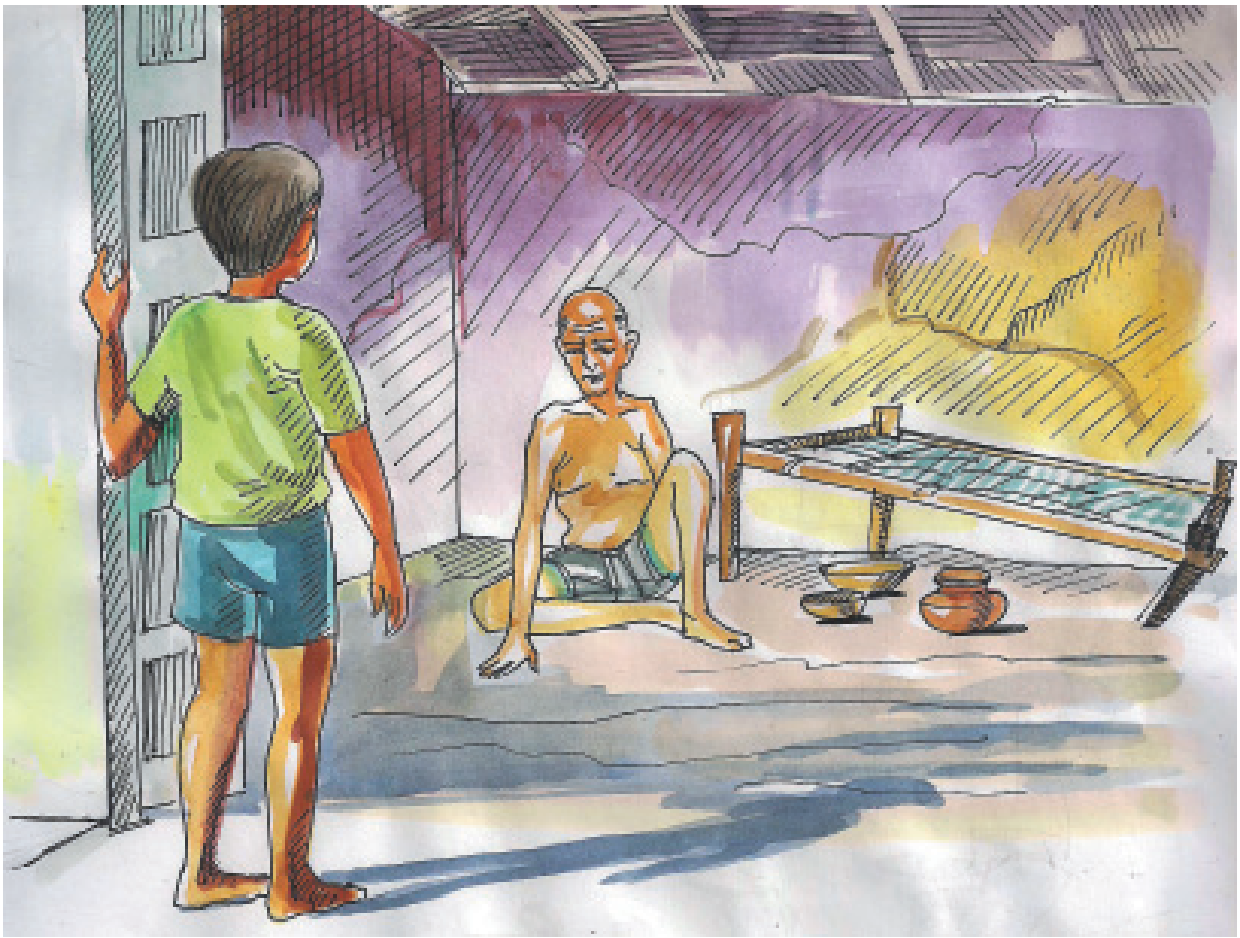

शीशपाल कोठरी में अकेला पड़ा रहता था। वह बीमार रहने लगा। अंत में लंबी बीमारी के बाद एक दिन वह ईश्वर को प्यारा हो गया। बहू-बेटे ने चैन की साँस

ली– चलो, बुड्ढे से छुटकारा मिल गया। दिखावे के लिए उसका अंतिम संस्कार धूमधाम से किया गया।

पिता की मृत्यु के बाद विद्याधर ने उसकी कोठरी की सफ़ाई कराई। उसकी खाट और बिस्तर आदि बाहर फिंकवा दिए। विक्की यह सब नज़ारा देख रहा था। जब बरतन फेंके जाने लगे तो विक्की ने रोका। बोला–''पिताजी, यह क्या कर रहे हो? इन बरतनों को न फेंको।''

विक्की की बात सुनकर विद्याधर चकित रह गया। उसने पूछा–''क्यों विक्की? इनका तुम क्या करोगे?''

विक्की ने भोलेपन से जवाब दिया–''पिताजी, एक दिन आप भी तो बूढ़े होंगे। तब ये बरतन आपके काम आएँगे।''

इनका मतलब जानिए–

शब्द		*अर्थ*
सद्बुद्धि	=	अच्छी समझ
निधन	=	मृत्यु, मौत
पत्नी	=	घरवाली
आदर–सत्कार	=	मान–सम्मान
मन मार कर रह जाना	=	कुछ भी न कर पाना
ईश्वर को प्यारा होना	=	मृत्यु होना, मर जाना
अंतिम संस्कार	=	मरने के बाद का क्रिया–कर्म
नज़ारा	=	दृश्य
चकित रह जाना	=	चौंकना

आइए, यह भी जानें–

क्रिया की पहचान और इसके प्रयोग:

इस पाठ में नीचे लिखे वाक्य आए हैं–

- शीशपाल रामपुर में रहता था।
- मालती ने भी एक पुत्र को जन्म दिया।
- विद्याधर ने खाट और बिस्तर आदि बाहर फिंकवा दिए।
- इनका तुम क्या करोगे?

इन वाक्यों को ध्यान से पढ़िए। जिन शब्दों के नीचे लाइन खिंची है, उन्हें देखिए। 'रहता था' में रहने का भाव है। 'जन्म दिया' से जन्म देने का। इसी तरह 'फिंकवा दिए' में फिंकवाने का तथा 'करोगे' में करने का भाव निकलता है। इन्हें क्रिया कहा जाता है। इन वाक्यों में रहता, दिया, फिंकवा दिए, करोगे शब्दों से कोई काम होने या करने का पता चलता है।

> ऐसे शब्द, जिनसे काम करने या काम होने का पता चलता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।

क्रिया के तीन काल और इनके प्रयोग:

विक्की अपने दद्दू को बहुत प्यार करता था।

विक्की अपने दद्दू को बहुत प्यार करता है।

विक्की अपने दद्दू को बहुत प्यार करेगा।

- इन तीनों वाक्यों में काम के होने में समय का फ़र्क है। पहले वाक्य में काम हो गया है। दूसरे वाक्य में काम हो रहा है, जबकि तीसरे वाक्य में काम होगा।

- पहले वाक्य की क्रिया भूतकाल से जुड़ी है। क्रिया के जिस रूप से उसके बीत चुके समय में होने का पता चलता है, उसे **भूतकाल** की क्रिया कहते हैं। जैसे– मैं दिल्ली गया था।
- दूसरे वाक्य की क्रिया वर्तमान काल से जुड़ी है। क्रिया के जिस रूप से उसके इस समय होने का पता चलता है, उसे **वर्तमान काल** की क्रिया कहते हैं। जैसे– राम पढ़ रहा है।
- तीसरे वाक्य की क्रिया भविष्यत् काल से जुड़ी है। क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में होने का बोध होता है, उसे **भविष्यत् काल** की क्रिया कहते हैं। जैसे– सरिता स्कूल जाएगी।

इस प्रकार 'था' 'थी' 'थे' से भूतकाल का संकेत मिलता है। 'है' 'हैं' और 'हो' से वर्तमान काल का बोध होता है। इसी तरह 'गा' 'गी' 'गे' से भविष्यत् काल का संकेत मिलता है।

इस तरह क्रिया के तीन काल हैं– भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्यत् काल।

जिस समय में कोई क्रिया होती है, उससे उसके काल का पता चलता है।

अभ्यास

1. नीचे लिखे वाक्यों में से क्रिया शब्दों को छाँटकर लिखिए:

(क) शीशपाल ने विद्याधर को खूब पढ़ाया। .....

(ख) विक्की अपने दद्दू को बहुत प्यार करता है। .....

(ग) मालती ने आज बहुत स्वादिष्ट खाना बनाया। .....

(घ) मैं आज बाज़ार जाऊँगा। .....

(ङ) एक दिन हम भी बूढ़े हो जाएँगे। .....

2. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए और उनके सामने क्रिया का काल लिखिए:

(क) रामपुर में शीशपाल नाम का एक किसान रहता था। .....

(ख) विद्याधर के पुत्र का नाम विकास चंद्र है। .....

(ग) आज विक्की अपने दद्दू के साथ सोएगा। .....

(घ) जवानी के बाद बुढ़ापा आएगा। .....

(ङ) पहले लोग संयुक्त परिवार में रहते थे। .....

(च) गंदगी डालने से गंगा नदी मैली हो जाएगी। .....

3. गोले में दिए गए अक्षरों से चार शब्द बनाइए और लिखिए:

अ व
प नि दी रा
घ शा न म
ई धू ढा त
धा जा भा

जैसे– नदी

.....

.....

.....

.....

4. नीचे दिए गए शब्दों में से उचित शब्द छाँटकर खाली स्थानों में भरिए:

भरेंगे, बूढ़े, अपमान, उदास, बुजुर्ग, लाभ

जैसे– मेरे पड़ोस में एक ....बुजुर्ग.... रहते हैं।

- विक्की के दादाजी हमेशा ..... रहते थे।
- मरने के बाद सम्मान करने से क्या ..... !
- बुजुर्गों का ..... भगवान का निरादर है।

- क्या हम कभी ..... नहीं होंगे।
- हम जैसा करेंगे, वैसा ..... ।

5. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) शीशपाल किस गाँव का निवासी था?

.....

(ख) शीशपाल ने ही विद्याधर को क्यों पाला-पोसा?

.....

(ग) शीशपाल का आदर-सत्कार क्यों घटने लगा?

.....

(घ) शीशपाल के प्रति विक्की का व्यवहार कैसा था?

.....

(ङ) शीशपाल की मृत्यु के बाद विद्याधर ने उसका अंतिम संस्कार धूमधाम से क्यों किया?

.....

(च) ''पिताजी! आप भी एक दिन बूढ़े होंगे।'' विक्की के इस कथन में कौन-सा भाव छिपा है?

.....

आइए, करके देखें–

- अपने आस-पास के बुजुर्गों से बातचीत कीजिए। उनके अनुभव जानिए और उन अनुभवों को लिखिए।
- बुजुर्गों की सेवा करके देखिए। बड़ा संतोष मिलेगा।

अब यह जानिए

- अगर बुजुर्गों को उनके बच्चे किसी भी तरह तंग करते हैं तो वे बच्चों के खिलाफ़ इलाके के थाने में शिकायत कर सकते हैं।
- अगर बुजुर्गों के जीवन को ख़तरा है, तो वे पुलिस से सुरक्षा माँग सकते हैं।
- अगर बच्चे बुजुर्ग अभिभावकों की ठीक देखभाल नहीं करते, तो अभिभावक गुजारा भत्ते के लिए माँग कर सकते हैं।
- अगर किसी बुजुर्ग का अपना बच्चा नहीं है, तो उसके वारिस पर उसके भरण-पोषण और मेडिकल सुविधा देने की ज़िम्मेदारी होगी।
- अगर कोई बुजुर्ग खुद कोर्ट में जाने लायक नहीं है, तो वह कोर्ट में अपनी बात रखने के लिए किसी को अधिकृत कर सकता है।

पाठ 11

बात ऐसे बनी

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *सूचना का अधिकार कानून क्या है।*
- *इस कानून से हमें क्या लाभ हैं।*
- *हम कानून का लाभ कैसे उठा सकते हैं।*
- *मिल-जुलकर काम करने से सफलता अवश्य मिलती है।*
- *विशेषण की जानकारी।*

पाठ

गायत्री तीसरी बार राशन की दुकान पर गई।

राशन वाले ने हमेशा की तरह जवाब दिया– ''राशन आया ही नहीं, कहाँ से दूँ?''

गायत्री झुँझला गई। बोली– ''रजिस्टर दिखाओ। पता चल जाएगा कि राशन आया या नहीं।'' कुछ और महिलाएँ भी वहाँ आ गईं। वे भी शोर मचाने लगीं– ''हाँ-हाँ, दिखाओ रजिस्टर।''

राशन वाला अकड़कर बोला– ''तुम क्या कलेक्टर हो? बड़ी आई रजिस्टर देखने वाली! भागो यहाँ से।''

महिलाएँ खिसियाकर वापस चल दीं। रास्ते में सरला बहन जी मिलीं। महिलाओं ने उन्हें सारी बात बताई। बहन जी बोलीं– ''राशन वाला बेईमानी कर रहा है। गरीबी की रेखा से नीचे रहने वालों का राशन कार्ड बना है। उन्हें तयशुदा राशन हर कार्ड पर अवश्य मिलेगा। अब सबको सूचना पाने का अधिकार है। हम राशन के बारे में सूचना माँगेंगे।''

बहन जी ने महिलाओं की तरफ़ से अर्ज़ी लिखी।

सबने अर्जी पर दस्तखत किए। अर्जी के साथ 10/– रुपये फ़ीस जमा होती है। गरीबी की रेखा से नीचे रहने वालों के लिए यह फ़ीस माफ़ है। इसलिए महिलाओं को फ़ीस नहीं देनी पड़ी।

अर्जी ब्लॉक आपूर्ति अधिकारी के दफ़्तर में जमा की गई। बीस दिन बाद उत्तर आया। उसमें लिखा था कि राशन वाले को सरकार पूरा राशन देती है। पर हो सकता है कि वह राशन खुले बाजार में बेच देता हो। इसलिए उसका लाइसेंस जब्त कर लिया गया है। पत्र में राशन की उस नई दुकान का पता भी लिखा था, जहाँ से सब लोग राशन ले सकते हैं।

सभी लोग खुश हुए। गायत्री बोली– ''मुझे तो शक था कि जवाब आएगा भी या नहीं।''

सरला बहन जी बोलीं– ''जवाब कैसे नहीं आता। आवेदन के 30 दिन के अंदर सूचना अवश्य देनी होती है। सूचना न देने वाले पर रोज का 250/– रुपये जुर्माना होता है। अधिकतम 25000/– रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।''

गायत्री बोली– ''अब तो सभी भ्रष्टाचार करने वालों के होश उड़ जाएँगे।''

आइए, यह भी जानें–

विशेषण की पहचान और इसके प्रयोग:

इस पाठ में 'कुछ महिलाएँ', 'नई दुकान' जैसे शब्द आए हैं। इनमें 'कुछ' और 'नई' शब्द विशेषण हैं। ये 'महिलाएँ' और 'दुकान' शब्दों की विशेषता बताते हैं।

कुछ उदाहरण देखिए:

नया चावल ख़राब है।

वह ईमानदार अधिकारी है।

यह पानी साफ़ है।

इन वाक्यों में जिन शब्दों के नीचे लाइन खिंची है, वे विशेषण हैं।

संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) राशन वाले से औरतों का झगड़ा क्यों हुआ?

.....

(ख) रजिस्टर माँगने पर राशन वाले ने क्या जवाब दिया?

.....

(ग) सूचना के अधिकार के बारे में महिलाओं को जानकारी किससे मिली?

.....

(घ) सूचना के अधिकार के तहत अर्जी के साथ क्या जमा करना पड़ता है?

.....

(ङ) सूचना के अधिकार के अंतर्गत सूचना कितने दिन में देनी होती है?

.....

2. नीचे लिखी कौन-सी बात किसने कही :

(क) ''रजिस्टर दिखाओ, पता चल जाएगा कि राशन आया या नहीं।''

.....

(ख) ''तुम क्या कलेक्टर हो? बड़ी आई रजिस्टर देखने वाली!''

.....

(ग) ''राशन वाला राशन नहीं हड़प सकता।''

.....

(घ) ''अब तो सभी भ्रष्टाचार करने वालों के होश उड़ जाएँगे।''

.....

3. नीचे लिखे शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए:

दस्तख़त अर्जी लाइसेंस सबको

(क) अब ..... सूचना पाने का अधिकार है।

(ख) बहिन जी ने महिलाओं की तरफ़ से ..... लिखी।

(ग) सबने अर्जी पर ..... किए।

(घ) राशन वाले का ..... जब्त कर लिया गया।

4. नीचे लिखे वाक्यों में आए विशेषण शब्द छाँटिए और लिखिए:

(क) रमन के बड़े भाई दुकानदार हैं। .....

(ख) मैदान में कुछ लोग खड़े हैं। .....

(ग) रेखा ताज़ा दूध पी रही है। .....

(घ) लस्सी में थोड़ी बर्फ़ और डालो। .....

(ङ) मेरी बहन बहुत शर्मीली है। .....

5. वाक्यों में खाली जगहों पर नीचे दिए गए विशेषणों में से उचित विशेषण शब्द भरिए:

बड़ा	बेईमान	ठंडी	हरे	गीले

(क) राशनवाला ..... था।

(ख) ..... कपड़े धूप में डाल दो।

(ग) दिल्ली ..... शहर है।

(घ) चाय ..... हो गई।

(ङ) .....पेड़ काटना जुर्म है।

आइए, करके देखें–

आपका बच्चा प्राइमरी स्कूल में पढ़ता है। नियम के अनुसार प्राइमरी स्कूल के बच्चों को वर्दी, कॉपी, किताबें और बस्ता मुफ़्त में दिया जाता है। परन्तु इस साल आपके बच्चे को स्कूल खुलने के तीन माह बाद भी यह सुविधा नहीं मिली। इस विषय में सूचना के अधिकार के तहत प्रधान अध्यापक से जानकारी माँगिए और शिकायत की एक अर्ज़ी ज़िला बेसिक शिक्षा अधिकारी को लिखिए।

अब यह जानिए

जनता टैक्स देती है। उस पैसे को सरकार विकास कार्यों में लगाती है। बड़ी-बड़ी योजनाएँ चलाती है। कहीं-कहीं विकास कार्यों और योजनाओं को चलाने वाले लोग बेईमानी करते हैं। इसे रोकने के लिए सरकार ने सूचना का अधिकार अधिनियम बनाया है। इसमें आप सरकार से विभागों या अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए कामों का ब्यौरा माँग सकते हैं। वहाँ की सामग्री के नमूने ले सकते हैं। इसके लिए अर्ज़ी देनी होती है।

अगर 30 दिन में सूचना नहीं मिलती तो उसकी शिकायत उच्च अधिकारी को करनी चाहिए। हर कार्यालय में जन-सूचना अधिकारी होता है। आप सूचना पाने के लिए वहाँ अर्ज़ी दे सकते हैं।

पाठ 12

आगरा की सैर

इस पाठ से हम सीखेंगे–

- *पत्र लिखने का तरीका।*
- *व्यावसायिक पत्र, प्रार्थना पत्र तथा निमंत्रण पत्र में भेद।*
- *आगरा के प्रसिद्ध दर्शनीय स्थानों के बारे में जानकारी।*
- *समानार्थी शब्दों के बारे में ज्ञान।*
- *संयुक्त वाक्यों के बारे में जानकारी।*

पाठ

आगरा

दिनांक .....

प्यारी माँ,

आशा है, आप और पिताजी सकुशल होंगे। मैं आगरा में सकुशल हूँ। मेरी नौकरी यहाँ ठीक चल रही है।

पिछले सप्ताह मैं अपने दोस्तों के साथ आगरा घूमने गया था।

सबसे पहले हमने ताजमहल देखा। ताजमहल यमुना नदी के किनारे है। इसे बादशाह शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में बनवाया था। यह सफ़ेद संगमरमर के पत्थरों से बना एक सुंदर मकबरा है। पत्थरों पर की गई नक्काशी देखने योग्य है। सुना है, इसमें हीरे जड़े थे, जो चाँदनी रात में चमकते थे। अंग्रेज़ इन हीरों को निकलवा कर ले गए।

ताजमहल

ताजमहल के चारों ओर सफ़ेद संगमरमर से बनी चार मीनारें हैं, जो बाहर की ओर झुकी हैं। नीचे बादशाह शाहजहाँ तथा बेगम मुमताज की कब्रें बनी हैं। उसके ऊपर गुम्बद है।

ताजमहल देखने के बाद हम आगरा का किला देखने गए। किले का दीवाने आम तथा दीवाने खास बहुत सुंदर है। किले के एक कक्ष में शीशा जड़ा है, जहाँ से ताजमहल को देखा जा सकता है। बादशाह औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहाँ को इसी किले में कैद किया था। कहते हैं, शाहजहाँ इसी शीशे से ताजमहल को निहार लिया करता था।

लाल किला

बुलंद दरवाजा

अगले दिन हम फतेहपुर सीकरी देखने गए। यह आगरा से 40 किलोमीटर दूर है। इस स्मारक की बाहरी दीवार पर एक विशालकाय द्वार है, जिसे बुलंद दरवाज़ा कहते हैं। कहा जाता है कि बादशाह अकबर संतान की चाह में फ़कीर सलीम चिश्ती के पास पैदल चलकर आए थे। उनकी दुआओं से उनको बेटा हुआ था। अकबर ने पुत्र का नाम भी सलीम रखा। सलीम अकबर की दूसरी पत्नी जोधाबाई का पुत्र था। यहाँ पर सलीम चिश्ती की दरगाह भी बनी है। दीवाने खास में बादशाह अकबर अपने नवरत्नों के साथ बैठते थे।

फतेहपुर सीकरी में घूमते-घूमते दोपहर के तीन बज गए थे। तब हम बस पकड़ कर सिकंदरा के लिए रवाना हुए। सिकंदरा आगरा से मथुरा के रास्ते पर है। यह खूबसूरत स्मारक बादशाह अकबर ने बनवाया था। यहाँ बादशाह अकबर की कब्र बनी है। इसकी खूबसूरती को देखते हुए इसे दूसरा ताजमहल भी कहा जाता है।

सिकंदरा

सिकंदरा देखते-देखते काफ़ी शाम हो गई थी। वहाँ से हम अपने घर लौट आए।

मैंने सुना है, आगरा में इन दर्शनीय स्थानों के अलावा भी कुछ और स्मारक हैं। आप और पिताजी यहाँ ज़रूर आएँ। मैं आपको भी आगरा के सभी दर्शनीय स्थानों की सैर कराऊँगा।

पिताजी को मेरा सादर प्रणाम कहिए।

आपका पुत्र,

राजीव

इनका मतलब जानिए–

शब्द		*अर्थ*
सकुशल	=	ठीक तरह से
कक्ष	=	कमरा
स्मारक	=	किसी की याद में बनाया गया भवन
विशालकाय	=	बहुत बड़ा
नक्काशी	=	दीवारों, दरवाज़ों आदि पर काट-छाँटकर की गई चित्रकारी
दर्शनीय	=	देखने लायक
सैर करना	=	घूमना
रवाना होना	=	चल देना

आइए, यह भी जानें–

संयुक्त वाक्य की पहचान और इसका प्रयोग:

इस पाठ में नीचे लिखे वाक्य आए हैं:

- सुना है, इसमें हीरे जड़े थे, जो चाँदनी रात में चमकते थे।

- ताजमहल के चारों ओर संगमरमर से बनी चार मीनारें हैं, जो बाहर की ओर झुकी हैं।
- किले के एक कक्ष में शीशा जड़ा है, जहाँ से ताजमहल को देखा जा सकता है।

इन वाक्यों में दो वाक्यों को शब्दों से जोड़ा गया है। जब दो या दो से अधिक वाक्यों को किसी शब्द द्वारा जोड़ा जाता है तो उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं। जिस शब्द से इन वाक्यों को जोड़ा जाता है, वह शब्द अव्यय शब्द होते हैं। ऊपर आए वाक्यों में 'जो' और 'जहाँ' ऐसे ही शब्द हैं।

ऐसे वाक्य, जो दो या दो से अधिक उपवाक्यों से बनते हैं, संयुक्त वाक्य कहलाते हैं।

संयुक्त वाक्य के कुछ और उदाहरण:

- आलोक डाँट खाता है, पर काम करता रहता है।
- संजीव स्कूल गया और उसने पढ़ाई की।
- नवीन से मिलना है, इसलिए रोहतक जाऊँगा।
- जयपाल घर आया और कपड़े बदलकर सिनेमा चला गया।
- इन वाक्यों में दो वाक्यों को पर, और, इसलिए शब्दों से जोड़ा गया है।

समानार्थी शब्दों की पहचान और इनके प्रयोग:

पाठ में कुछ शब्द ऐसे आए हैं, जिनके बदले में कुछ दूसरे शब्दों का भी प्रयोग हुआ है या किया जा सकता है, जैसे–

दोस्त	–	मित्र	द्वार	–	दरवाज़ा
नदी	–	सरिता	संतान	–	औलाद
सुंदर	–	खूबसूरत	पुत्र	–	बेटा

जिन शब्दों के अर्थ एक जैसे होते हैं, उन्हें समानार्थी शब्द कहते हैं। समानार्थी का मतलब है– एक जैसे अर्थ वाला।

कुछ समानार्थी शब्द और देखें:

दीन	–	असहाय, निर्धन	पग	–	पाँव
दशा	–	हालत	शुल्क	–	फ़ीस
हिम	–	बर्फ़	सुत	–	पुत्र
ओर	–	तरफ़	दावा	–	अधिकार

अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) आगरा के दर्शनीय स्मारक कौन-कौन से हैं?

.....

(ख) ताजमहल कौन से पत्थर से बना है?

.....

(ग) आगरा के किले में किसको कैद करके रखा गया था?

.....

(घ) ताजमहल किसने बनवाया था?

.....

(ङ) फ़कीर सलीम चिश्ती की दरगाह कहाँ बनी है?

.....

(च) सिकंदरा में किसकी कब्र है?

.....

2. सही शब्द चुनकर खाली जगह भरिए:

(क) ताजमहल.....से बना है।
(सफ़ेद संगमरमर/लाल संगमरमर)

(ख) सलीम चिश्ती की दरगाह.....में है।
(फतेहपुर सीकरी/आगरा किला)

(ग) सिकंदरा में.....की कब्र है। (अकबर/शाहजहाँ)

(घ) ताजमहल.....की याद में बनवाया गया था।
(मुमताज महल/शाहजहाँ)

(ङ) बुलंद दरवाजा.....में बना है।
(सिकन्दरा/फतेहपुर सीकरी)

(च) .....में ऐसा शीशा लगा है, जहाँ से ताजमहल को देखा जा सकता है। (आगरा किला/सिकंदरा)

3. सही वाक्य के आगे (√) और गलत वाक्य के आगे (×) का निशान लगाइए:

(क) ताजमहल लाल पत्थर से बना है। ( )

(ख) सिकंदरा को दूसरा ताजमहल कहते हैं। ( )

(ग) बुलंद दरवाजा फतेहपुर सीकरी में बना है। ( )

(घ) सलीम चिश्ती की दरगाह आगरा के किले में बनी है। ( )

(ङ) ताजमहल को दुनिया का अजूबा माना जाता है। ( )

(च) दीवाने आम और दीवाने खास ताजमहल में बने हैं। ( )

(छ) ताजमहल गंगा नदी के किनारे बना है। ( )

4. कोष्ठक में दिए शब्दों में से सही शब्द चुनकर खाली जगहों में भरिए और संयुक्त वाक्य बनाइए:

(क) वह कल बाज़ार गया, ...वहाँ से कमीज खरीदकर लाया।
(और/पर)

(ख) उसने जो कुर्ता पहना है, ...शीशे जड़े हैं।
(उस पर/वहाँ पर)

(ग) मेरी कल छुट्टी है, ...मैं कल कार्यालय नहीं जाऊँगा।
(इसलिए/क्योंकि)

(घ) रामू कल स्कूल नहीं गया, ...उसने अपना होमवर्क नहीं किया था।
(क्योंकि/ताकि)

5. नीचे लिखे समानार्थी शब्दों को रेखा खींचकर मिलाइए:

जैसे–

सुबह	पानी
जल	प्रात:काल
शाम	उजाला
रोशनी	संध्या
पुष्प	छुरी
चाकू	फूल
मौजे	जुराबें

6. नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनाइए:

जैसे– संगमरमर– ताजमहल सफेद संगमरमर से बना है।

- सिकंदरा– .....

- सलीम चिश्ती– .....
- बुलंद दरवाज़ा– .....
- शाहजहाँ– .....

पत्र के मुख्य अंग–

व्यक्तिगत या पारिवारिक पत्र

- पत्र लिखने वाले का पता और पत्र लिखने की तारीख– यह सबसे ऊपर दायीं ओर लिखा जाता है।
- पत्र पाने वाले के प्रति संबंध के अनुसार संबोधन, जैसे– प्रिय, आदरणीय आदि।
- पत्र का मुख्य विषय– सूचना तथा समाचार।
- पत्र प्राप्त करने वाले के साथ संबंध, पत्र लेखक का नाम व हस्ताक्षर।
- पत्र पाने वाले का नाम और पता लिफ़ाफ़े के ऊपर लिखते हैं। लिफ़ाफ़े पर टिकट लगाया जाता है।

कार्यालयी या व्यावसायिक पत्र

- बायीं ओर पत्र प्राप्त करने वाले का पद तथा पता
- विषय
- संबोधन
- पत्र लिखने का कारण
- विषय-विस्तार
- अंत में औपचारिकता– भवदीय आदि शब्द

- लिखने वाले का नाम व पता
- दिनांक

आइए, करके देखें–

दिल्ली के दर्शनीय स्थानों के बारे में अपने मित्र दिनेश को पत्र लिखिए।

अब यह जानिए

पत्र तीन प्रकार के होते हैं:

- व्यक्तिगत या पारिवारिक– माता, पिता, भाई, बहन, मित्र आदि को लिखे जाने वाले पत्र।
- कार्यालयी या व्यावसायिक पत्र– अधिकारी/कर्मचारी आदि को लिखे जाने वाले पत्र।
- निमंत्रण-पत्र– शादी, उत्सव, पर्व आदि के अवसर पर बुलाने के लिए लिखे जाने वाले पत्र।

जाँच पत्र-3

(पाठ 9 से 12 तक)

1. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

आप अपने उपयोग की चीज़ें बाज़ार से खरीदते हैं। कई बार उनमें ख़राबी आ जाती है। इसी तरह कई विभागों से हम धन देकर सेवाएँ लेते हैं, जैसे– बिजली, पानी, सड़क आदि। इन सेवाओं में कभी-कभी कमी आ जाती है। इसके लिए कहाँ जाएँ? भारत सरकार ने इसके लिए उपभोक्ता फोरम या लोक-अदालतों का गठन किया है। आप भी अपनी शिकायत वहाँ कर सकते हैं। वहाँ आपको आसान तरीके से कम धन खर्च करके न्याय मिल सकता है। आप अपनी शिकायत सादे कागज़ पर अर्जी लिखकर कर सकते हैं। शिकायत डाक द्वारा भी भेजी जा सकती है। गरीबों को शिकायत करने के लिए कोई फ़ीस नहीं लगती है। इसमें कचहरी की तरह कागज़ तैयार करने या वकील रखने की ज़रूरत भी नहीं होती। अर्जी के साथ सामान की पक्की रसीद, दुकानदार या विभाग का पूरा पता, अपना पूरा पता तथा आपको हुए नुकसान के बारे में अवश्य लिखें।

(क) सेवाओं में कमी आने से शिकायत कहाँ करें?

.....

(ख) उपभोक्ता फोरम में शिकायत करने के लिए कितनी फ़ीस देनी पड़ती है?

.....

(ग) उपभोक्ता फोरम में शिकायत कैसे कर सकते हैं?

.....

(घ) उपभोक्ता फोरम में शिकायत की अर्ज़ी के साथ क्या-क्या चीज़ें भेजनी पड़ती हैं?

.....

2. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखिए:

एहसान = ... अधिकार = ...

कमतर = ... उद्यान = ...

निधन = ... दर्शनीय = ...

नज़ारा = ...

3. पढ़े गए पाठों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) 'लड़की से चल रहा जहान' का क्या भावार्थ है?

.....

(ख) "पिताजी! आप भी एक दिन बूढ़े होंगे।" विक्की के इस कथन में कौन-सा भाव है?

.....

(ग) सूचना के अधिकार के तहत अर्ज़ी के साथ कितनी फ़ीस जमा होती है?

.....

(घ) आगरा के मुख्य दर्शनीय स्थल कौन-कौन से हैं?

.....

4. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए:

(क) बुजुर्गों का.....भगवान का निरादर है। (सम्मान/अपमान)

(ख) सूचना का अधिकार कानून के अंतर्गत.....दिन के अंदर जवाब देना होता है। (तीस/बीस)

(ग) ताजमहल.....की याद में बनवाया गया था।
(मुमताज महल/शाहजहाँ)

(घ) लड़की की ताकत पहचानो, लड़की को मत.....मानो।
(कमतर/ज़्यादा)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) सर्वनाम किसे कहते हैं?

.....

(ख) क्रिया किसे कहते हैं?

.....

(ग) विशेषण शब्द कौन-से होते हैं?

.....

6. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए और उनके सामने उनकी क्रिया का काल लिखिए:

(क) जवानी के बाद बुढ़ापा आएगा। .....

(ख) गंदे नालों का पानी गिरने से नदियाँ मैली हो जाएँगी।.....

(ग) कल मैं बाज़ार गया था।.....

(घ) बाहर तेज़ हवा चल रही है।.....

(ङ) हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हुआ था।.....

7. नीचे लिखे वाक्यों में आए विशेषणों के नीचे लाइन खींचिए:

(क) कुछ महिलाएँ मेला देखने जा रही हैं।

(ख) दूषित पानी पीने से हम बीमार पड़ सकते हैं।

(ग) भ्रष्टाचारी कर्मचारियों के कारण देश का विकास रुकता है।

(घ) ताजे फल स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं।

A101

स्तर-क

नमूने का प्रश्न पत्र

मुक्त बेसिक शिक्षा (प्रौढ़)
वार्षिक परीक्षा
(कक्षा-3 के बराबर)

विषय - हिन्दी

समय : 2½ घंटे *पूर्णांक 100*

- **अपना विवरण** (5)

सही विवरण भरने पर 5 अंक दिए जाएँगे।

नाम .....

केन्द्र क्रमांक .....

अनुक्रमांक .....

विषय .....

दिनांक .....

1. नीचे लिखी कहानी पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (8)

एक बादशाह बड़ा ही न्यायप्रिय था। वह हर समय अपनी प्रजा की भलाई की सोचता रहता था। एक दिन वह शिकार करने जा रहा था। रास्ते में उसने देखा,

एक वृद्ध छोटा सा पौधा लगा रहा है। बादशाह उसके पास गया और बोला– ''यह आप किस चीज का पौधा लगा रहे हो?'' वृद्ध ने धीमे स्वर में कहा– ''अखरोट का।'' बादशाह ने हिसाब लगाया कि उस पर फल आने में कितना समय लगेगा। फिर उसने आश्चर्य से पूछा– ''सुनो! इस पौधे के बड़े होने और उस पर फल आने में कई साल लग जाएँगे। तब तक तुम रहोगे भी!'' वृद्ध ने बादशाह की ओर देखा और कहा– ''दूसरों के लगाए पेड़ों के फल हम और आप खाते हैं। इसका कर्ज तो मुझे उतारना ही पड़ेगा। जो सिर्फ अपने लाभ के लिए काम करता है, वह स्वार्थी होता है।'' यह सुनकर बादशाह ने निश्चय किया कि वह प्रतिदिन एक पौधा अवश्य लगाएगा।

(क) राजा हर समय क्या सोचता रहता था?

.....

(ख) राजा ने वृद्ध से क्या पूछा?

.....

(ग) बादशाह ने वृद्ध से क्या कहा?

.....

(घ) वृद्ध ने बादशाह को क्या उत्तर दिया?

.....

(ङ) बादशाह ने क्या निश्चय किया?

.....

2. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (10)

(क) खेजड़ली गाँव में कौन सा मेला लगता है?

.....

(ख) अपने मन की पीड़ा हर एक से कहने पर क्या होगा?

.....

(ग) ''जो चीज़ गरीबों को नसीब न हो, उसे हम कैसे बरबाद कर सकते हैं?'' यह बात किसने कही थी?

.....

(घ) बीरबल ने बुद्धि के रूप में दूत को क्या दिया?

.....

(ङ) ताजमहल कहाँ है?

.....

3. सही शब्द पर (√) सही का निशान लगाइए: **(8)**

ढोलक	ढ़ोलक	धनुष	धनुश
सडक	सड़क	जमुना	यमुना
खबर	खवर	एक	ऐक
रावण	रावन	पुरुश	पुरुष

4. नीचे हर प्रश्न के चार-चार उत्तर दिए गए हैं। सही उत्तर पर सही (√) का निशान लगाइए: **(10)**

(क) गरीबों की मदद करने वाले लोग क्या होते हैं?

गरीब | महान | अमीर | बेईमान

(ख) गांधी जी के जन्म दिन पर किस चीज़ का दीया जल रहा था?

तेल का | गैस का | घी का | कपूर का

(ग) 'सूचना का अधिकार' कानून से हम क्या पा सकते हैं?

राशन | रोजगार | जमीन | सूचना

(घ) बुलंद दरवाजा कहाँ पर है?

आगरा	दिल्ली	फतेहपुर सीकरी	लखनऊ

(ङ) बादशाह अकबर की कब्र कहाँ बनी है?

सिकंदरा में	मथुरा में	आगरा में	दिल्ली में

5. नीचे लिखे शब्दों में से संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण वाले शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए: (8)

वाराणसी	दौड़ना	सुंदर	वह
खट्टा	हम	दीपावली	नहाना

संज्ञा ..... सर्वनाम .....

....

क्रिया ..... विशेषण .....

....

6. स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए: (5)

कुर्सी	अखबार	दही	रस्सी	आम
झोला	किताब	बस	कागज	नदी

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

7. एकवचन से बहुवचन और बहुवचन से एकवचन बनाकर लिखिए: (5)

किताब	.....	नदी	.....
कुर्सियाँ	.....	मिठाइयाँ	.....
फसलें	.....	लड़की	.....
रोटी	.....	बोरे	.....
दुकानें	.....	कपड़ा	.....

8. सही शब्दों को रेखा खींचकर मिलाइए: (5)

लड़का–लड़की	मनाइए
बुजुर्गों का	बीरबल
रूठे सुजन	सम्मान
अकबर	एक समान

9. सही शब्द छाँटकर खाली जगह भरिए: (5)

- तुलसी मीठे वचन ते, सुख ..... चहुँ ओर।
  (पहुँचत/उपजत)
- बुजुर्गों की सेवा करना हमारा ..... है।
  (फर्ज/दर्द)
- ताजमहल सफेद ..... से बना है।
  (मिट्टी/संगमरमर)

- तमाम बीमारियाँ ..... के कारण होती हैं।
  (गंदगी/जिन्दगी)
- हर बच्चे को शिक्षा पाने का ..... है।
  (शक/हक)

10. हर शब्द का समान अर्थ देने वाला एक-एक शब्द लिखिए: (6)

आकाश	.....	घर	.....
आय	.....	खुशी	.....
पानी	.....	पृथ्वी	.....

11. अपने किसी सम्बंधी या रिश्तेदार को एक पत्र लिखिए। पत्र में अपने हाल-चाल और पढ़ाई-लिखाई के बारे में बताइए: (10)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

मौखिक परीक्षा (15)

1. क्या आपके गाँव में कोई अखबार आता है?

2. क्या आपने कोई अखबार पढ़ा है?

3. आपके गाँव में कौन-कौन सी सरकारी योजनाएँ चल रही हैं?

4. क्या आपको उनसे कभी कोई फायदा मिला है?

5. आपको हिन्दी की पुस्तक में कौन-कौन सी योजनाओं की जानकारी दी गई है?

6. आपने सूचना का अधिकार के बारे में पढ़ा है। वह क्या है?

7. आपने शिक्षा के अधिकार के बारे में पढ़ा है। वह क्या है?

8. आप अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं? अगर हां तो वे कौन-सी कक्षा में हैं?

9. क्या आपको हिन्दी की किताब को पढ़ने में कोई परेशानी आई? यदि हाँ तो आपने कहाँ से सलाह ली?

10. क्या आपके पास-पड़ोस में सभी बच्चे स्कूल जाते हैं?

.....

11. 'साक्षर भारत' के बारे में आपने कभी सुना है? वह क्या है?

.....

12. यदि आप आगे पढ़ना चाहते हैं तो क्यों?

.....

13. आप अपने तथा अपने परिवार के बारे में कुछ बताइए।

.....

14. आप अपने बच्चों को क्यों पढ़ाना चाहते हैं?

.....

15. क्या स्वास्थ्य विभाग वाले आपके यहाँ कभी आए हैं?

.....